माघ शुक्ल पक्ष -10, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 204 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 जनवरी 2026
बुधवार

आज का मौसम
28.1 अधिकतम
14.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

प्लेन क्रैश में हुई मौत, चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे... विमान में सवार थे पांच लोग, कोई नहीं बचा

नहीं रहे बारामती के हीरो 'दादा' अजित पवार

22 जुलाई 1959 — 28 जनवरी 2026

नईदिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के बारामती में एक बड़े हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई। उनका विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की खबर मिलते ही बारामती समेत पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर दौड़ गई। पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम फडणवीस से घटना की जानकारी ली। इस हादसे में कुल 5 लोगों की मौत हुई है जिनमें पवार के दो सहयोगी और दो पायटल शामिल हैं। घटना की सूचना पर सुप्रिया सुले भी बारामती के लिए रवाना हो गईं।

बारामती में घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में आग और धुआं, विमान का मलबा और घायलों को पास के अस्पतालों में ले जाती एम्बुलेंस दिखाई दी। घटना स्थल पर लोग हर संभव तरीके से मदद करने की कोशिश कर रहे थे। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का परिवार (पत्नी सुनेत्रा पवार और बेटे पार्थ पवार) दिल्ली में थे। बताया जा रहा है कि प्रफुल्ल पटेल और अजित पवार का परिवार दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो चुका है। निजी विमान एयरपोर्ट पर उतरते समय क्रैश हुआ। पवार जिला परिषद चुनावों को लेकर आज बारामती आ रहे थे। घटनास्थल से वीडियो भी सामने आया है जो कि काफी डरावना है। दुर्घटना के बाद विमान पूरी तरह नष्ट हो गया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुंबई से बारामती जा रहा चार्टर प्लेन बारामती में सुबह 8.45 बजे क्रैश लैंड हुआ।

शिंदे ने दिए जांच के आदेश

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बारामती प्लेन क्रैश की जांच के आदेश दिए हैं। शिंदे ने हादसे को दुखद बताते हुए कहा, 'प्लेन क्रैश की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। इस हादसे की गंभीरता से जांच की जाएगी।'

अस्पताल के बाहर समर्थकों की भीड़

अजित पवार के निधन से एनसीपी के कार्यकर्ताओं को भी गहरा झटका लगा है। हजारों की तदाद में उनके समर्थक बारामती अस्पताल के बाहर जुट गए हैं। सभी अजित पवार की आखिरी झलक पाने के लिए घंटो से इंतजार कर रहे हैं।

कल कैबिनेट बैठक में लिया था हिस्सा

बता दें कि अजित पवार मंगलवार को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट की अवसंरचना समिति की बैठक में भाग लिया था। अजित पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उपमुख्यमंत्री थे, जिन्होंने लगातार छह बार यह पद संभाला।

पारिवारिक-राजनीति जीवन

- अजित पवार की शादी सुनेत्रा पवार से हुई, जिनसे उनके दो बेटे जय और पार्थ पवार हैं। 1982 में, अजीत पवार ने एक सहकारी चीनी कारखाने के बोर्ड के लिए चुने जाने के बाद अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की।
- 1991 में, उन्हें पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक का अध्यक्ष चुना गया। वह 1991 में पहली बार बारामती संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए और बाद में अपने चाचा शरद पवार के लिए यह सीट खाली कर दी।
- बारामती विधानसभा क्षेत्र से 7 बार महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने पहली बार 1991 के उपचुनाव में जीत हासिल की और उसके बाद 1995, 1999, 2004, 2009 और 2014 में जीत हासिल की।
- नवंबर 2019 में, उन्होंने एनसीपी में फूट डाली और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बने।
- फरवरी 2024 में, चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह अजित पवार के गुट को दे दिया।

क्रैश हुए विमान का मलबा

पूरा नहीं हुआ सीएम बनने का सपना

साल 2010 से लेकर अब तक अजित पवार ने कुल छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान भी एनसीपी के कई नेता और कार्यकर्ता अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग करते थे। पिछले साल महाराष्ट्र दिवस के मौके पर फिर मुख्यमंत्री बनने की दिली ख्वाहिश जाहिर की थी।

तीन दिन का राजकीय शोक घोषित

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लिए आज कठिन दिन है। सीएम ने आगे कहा कि जमीन से जुड़े नेता को आज हमने खो दिया। उन्होंने आगे कहा कि अजित पवार हमारे दमदार और दिलदार मित्र थे। उधर, इस विमान दुर्घटना की विस्तृत जांच किए जाने के आदेश डीजीसीए ने दिए हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि क्या ऐसी तकनीकि खराबी थी जिसकी वजह से यह हादसा हुआ।

शांभवी ने न्यूजीलैंड में ली थी पायलट ट्रेनिंग

कैप्टन शांभवी पाठक

बारामती में हुए विमान हादसे के बाद जिस नाम की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह है कैप्टन शांभवी पाठक। हादसे का शिकार हुआ यह चार्टर्ड बिजनेस जेट उस वक्त लैंडिंग की प्रक्रिया में था और विमान की कमान कैप्टन शांभवी पाठक संभाल रही थीं। एविएशन सेक्टर में एक होनहार और प्रशिक्षित पायलट के रूप में पहचानी जाने वाली शांभवी का करियर, ट्रेनिंग और प्रोफेशनल प्रोफाइल अपने आप में बेहद मजबूत मानी जाती थी। उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी से एयरोनॉटिक्स और एविएशन साइंस में बीएससी की पढ़ाई पूरी की। शांभवी ने न्यूजीलैंड इंटरनेशनल कमर्शियल पायलट अकादमी में दाखिला लिया। यहां उन्होंने साल 2018 से 2019 के बीच प्रोफेशनल फ्लाइंग की बारीक ट्रेनिंग हासिल की। इसी दौरान उन्हें न्यूजीलैंड सिविल एविएशन अथॉरिटी से कमर्शियल पायलट लाइसेंस भी प्राप्त हुआ, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी।

शोक संवेदनाओं का लगा तांता, पीएम बोले.. जनता से जुड़े नेता थे

अजित पवार जी का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में, विशेषकर सहकारी क्षेत्र में, विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा।

– **द्रौपदी मुर्मू**, राष्ट्रपति

अजीत पवार जी जनता के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था।

– **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जिस प्रकार उन्होंने महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वे जब भी मिलते थे, जनता के कल्याण संबंधी अनेक विषयों पर लंबी चर्चा करते थे।

– **अमित शाह**, गृहमंत्री

न्यूज विंडो

चंडीगढ़ में 18 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक फरवरी के प्रस्तावति पंजाब दौरे से ठीक पहले आज चंडीगढ़ के 18 नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। इसके बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुबह जैसे ही स्कूलों को यह ई-मेल प्राप्त हुआ, तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। कुछ ही मिनटों में पुलिस कंट्रोल रूम से अलर्ट जारी कर दिया गया। सूचना मिलते ही बम डिटेक्शन टीम , ऑपरेशन सेल और संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी स्कूल परिसरों की तलाशी शुरू की गई। कुछ स्कूलों में अब भी तलाशी अभियान जारी है।

क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच मुठभेड़, तीन पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को रोहिणी इलाके में तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। क्राइम ब्रांच की शाकरपुर यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अपराधियों को मुठभेड़ में पकड़ा है। तीनों अपराधियों के पैर में गोली लगी है। ये तीनों अपराधी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुई एक सनसनीखेज हत्या के मामले में वांछित थे।

आज का कार्टून

'ट्रंप फैक्टर'... दोस्ती का नया चैप्टर

कानून में बदलाव पर होगा विचार

राज्य सरकारें बताएं एसिड अटैक की घटनाओं पर क्या किया - सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एसिड अटैक के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों से ऐसे मामलों की विस्तृत जानकारी मुहैया कराने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकारें साल-दर-साल एसिड अटैक के मामलों की संख्या, अदालतों में उनकी स्थिति और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा पेश करें। बेंच ने पूछा कि कितने मामलों में ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हो चुकी हैं। यह भी बताना होगा कि ट्रायल कोर्ट स्तर पर कितने मामलों का निपटारा हो चुका है और कितने लंबित हैं। चार हफ्ते में यह ब्योरा मांगा गया है। बेंच ने प्रत्येक पीड़िता का संक्षिप्त ब्योरा, उनकी शैक्षणिक योग्यता, रोजगार और वैवाहिक स्थिति, उसे दिया गया या दिया जाने वाला मेडिकल उपचार और उस पर हुए खर्च का ब्योरा देने को भी कहा। कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पीड़ितों के लिए लागू पुनर्वास योजनाओं का ब्योरा देने का भी निर्देश दिया। उन मामलों का ब्यौरा भी मांगा गया, जिनमें पीड़ितों को जबरन तेजाब पिलाया गया। चीफ जस्टिस ने केंद्र से यह विचार करने को कहा कि कानून में ऐसे बदलाव किए जाएं, जिससे एसिड अटैक के दोषियों को असाधारण सजा दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट एक पीड़िता की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कानून के तहत दिव्यांगों की परिभाषा का विस्तार करने की मांग की गई है, ताकि तेजाब हमलों से आंतरिक अंगों को हुए नुकसान में पर्याप्त मुआवजा और अन्य राहत मिल सके।

इंदौर में दूषित पानी से मरने वालों की संख्या 30

इंदौर। यहां भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार सुबह एक महिला लक्ष्मी रजक की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब दूषित पानी से मौतों का आंकड़ा बढ़कर 30 हो गया है। इनके पहले उल्टी-दस्त से पीड़ित 75 वर्षीय खूबचंद पुत्र गन्नुदास की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बुधवार सुबह उनके परिजनों और क्षेत्र के लोगों ने शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इलाके में लगातार हो रही मौतों से लोग घबराए हुए हैं। परिजनों के अनुसार करीब 15 दिनों से वे उल्टी-दस्त से पीड़ित थे। भागीरथपुरा में दूषित पानी से अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। 10 मरीज अब भी आईसीयू में भर्ती हैं, वहीं दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया है।

संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति का अभिभाषण

जी राम जी कानून के जिक्र पर विपक्षी सांसदों ने किया हंगामा

नईदिल्ली, एजेंसी

18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने अपनी स्पीच में जैसे ही VB-जी राम जी कानून का जिक्र किया, सदन में शोर शराबा होने लगा। विपक्षी सांसदों ने हंगामा करते हुए इस कानून को वापस लेने के नारे लगाए। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी सेना का शौर्य पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय सेना ने आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया।

प्रशासन से टकराव के बीच प्रयागराज से रवाना

अविमुक्तेश्वरानंद बोले - बिना स्नान दुखी मन से मेला छोड़कर जा रहा हूं

प्रयागराज, एजेंसी

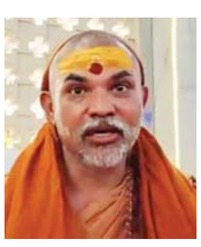

प्रयागराज में चल रहे माघ मेला से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने का ऐलान किया है। आज सुबह आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेला में आए थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गई कि बिना स्नान किए ही लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हमेशा से शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है और यहां से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक है। शंकराचार्य ने बताया कि एक ऐसी घटना घटी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी, जिससे उनका मन व्यथित हो गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में स्नान करना उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि आस्था का विषय था। बावजूद इसके, मौजूदा हालात में उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन निर्णय लिया। उनके इस फैसले के बाद संत समाज और श्रद्धालुओं में चर्चा तेज हो गई है। माघ मेला में मौनी अमावस्या पर स्नान को जाते समय प्रशासन द्वारा रोके जाने पर विवाद हो गया था, जिसके बाद उन्होंने संगम में स्नान भी नहीं किया। प्रयागराज से रवाना होते हुए उन्होंने कहा इस समय सनातनी लोगों पर हमला हो रहा है। उनके अधिकार और संस्कार खत्म करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। प्राचीन मंदिरें तोड़े जा रहे हैं। सनातनी लोग असली और नकली हिंदू के फर्क को समझें।

भोपाल में आज भी बारिश के आसार

प्रदेश के के 30 जिलों में बारिश और ओले गिरने से गेहूं-चने की फसलों को नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दो सिस्टम के एक्टिव होने से प्रदेश में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का दौर जारी है। 24 घंटे के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। ग्वालियर में ढाई इंच पानी गिर गया। वहीं 8 जिलों में ओलावृष्टि दर्ज की गई। इससे गेहूं, चना और सरसों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। भोपाल में आज भी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, खंडवा, हरदा, विदिशा, नर्मदापुरम, खंडवा, बड़वानी, रतलाम, श्योपुर, उज्जैन, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, रीवा, सतना, टीकमगढ़, छतरपुर, शाजापुर, मंदसौर, आगर-मालवा, देवास, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, खरगोन, सीहोर, सागर, मऊगंज, धार आदि जिलों में 24 घंटे के अंदर बारिश का दौर चला। ग्वालियर में सबसे ज्यादा ढाई इंच, गुना, शिवपुरी-सागर में 1 इंच, दतिया में पौन इंच और राजगढ़ में आधा इंच पानी गिर गया। उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, मुरैना, सीहोर, सागर, रायसेन व अन्य जिलों में ओले भी गिरे। बारिश, आंधी-ओले के मौसम के बीच बुधवार सुबह घना कोहरा भी छाया रहा। ग्वालियर में सबसे कम विजिबिलिटी दर्ज की गई। यानी, यहां 50 मीटर के बाद कुछ नहीं दिखा।

मैदान में खिलाड़ी नहीं, देश का भविष्य दौड़ता है

तात्या टोपे नगर स्टेडियम में राज्य स्तरीय एमपी यूथ गेम्स का आगाज

कैलाश खेर के म्यूज़िक बैंड कैलासा ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पारम्परिक और आधुनिक दोनों प्रकार के खेलों की समद्ध परम्परा है। खेलो एमपी यूथ गेम्स केवल एक स्पर्धा नहीं है, खेल महोत्सव है और यह महोत्सव हमारी उसी समृद्ध परम्परा का एक रिवीजन है। जब किसी मैदान में कोई खिलाड़ी अपना पसीना बहाता है, दौड़ता है, भागता है, परिश्रम करता है, तो उस मैदान में खिलाड़ी नहीं देश का सुनहरा भविष्य दौड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सदियों से हमारा मान हैं, भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई खेल संस्कृति का विकास हो रहा है। हमें कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिली, अब ओलिम्पिक की तैयारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार की शाम भोपाल के तात्या टोपे नगर स्टेडियम में राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026 के विधिवत् शुभारंभ की घोषणा की। बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों एवं भोपाल शहर के नागरिकों के भारी जोश, उत्साह और उमंग से भरे वातावरण में खेलो एमपी यूथ गेम्स का रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में मौजूद सभी से अपने मोबाइल टार्च से रौशनी कराकर और भारत माता की जय के गगन भेदी नारे लगवाकर सबकी सामूहिक सहभागिता में खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स - 2026 के शुभारंभ अवसर पर अपनी परफॉर्मेंस देने भोपाल आए पद्मश्री अवार्डी, सूफी गायक एवं लोक संगीतकार कैलाश खेर को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत-अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में मैदान से मैडल तक नामक एक विशेष नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें खेलों से भविष्य बनाने में खिलाड़ियों के संघर्ष, परिश्रम और निष्ठा को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार परम्परागत खेलों को भी बढ़ावा दे रही है। पहली बार कबड्डी, खो-खो, मलखम्भ, पिठ्ठी, रस्साकशी जैसे पारम्परिक ग्राम्य खेलों के अलावा थ्रो बॉल और क्रिकेट भी खेलो एमपी यूथ गेम्स में शामिल किये गये हैं।

यूजीसी के नए नियमों पर चिंता, व्यापक संवाद जरूरी - आशीष तिवारी

भोपाल। ब्राह्मण चेतना परिषद के प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशीष तिवारी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के प्रस्तावित नए नियमों पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में नियम लागू करने से पहले सभी वर्गों के सुझाव, संतुलित दृष्टिकोण और व्यापक संवाद बेहद जरूरी हैं। श्री तिवारी ने कहा यदि नियमों पर समय रहते पुनर्विचार नहीं हुआ, तो यह छात्रों और शिक्षकों में असंतोष, मानसिक दबाव और सुरक्षा की चिंता बढ़ा सकता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि नियमों में सभी वर्गों के लिए समान, पारदर्शी और संतुलित सुरक्षा तंत्र का निर्धारण किया जाए।

देख हमें यों कांपता ठिठुर रहा गणतंत्र...!

रेल साहित्य परिषद द्वारा विशेष काव्य गोष्ठी आयोजित

भोपाल। ज्याद स्वार्थ के हो गये हमको सारे मंत्र, देख हमें यों काँपता ठिठुर रहा गणतंत्र। कुछ इस तरह की पंक्तियां वरिष्ठ कवि घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने पड़ी तो श्रोता अपने को तालियां बजाने से नहीं रोक सके। अवसर था रेल साहित्य परिषद द्वारा ओबीसी कार्यालय के मुक्ताकाश भवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रभक्ति के रंग कवियों के संग काव्य गोष्ठी का। गोष्ठी का शुभारम्भ युवा कवि सुशील साहू की इन पंक्तियों से हुआ -हम घर पर चैन से सोते हैं, क्योंकि सैनिक बॉर्डर पर होते हैं। इस क्रम को आगे बढ़ाया युवा कवि आशीष कुमार गुप्ता ने- आज हर हिंदुस्तानी यही कहेगा, नमन है मां भारती को, और प्रण है इस धरती पर सदा अमन रहेगा। चर्चित युवा कवि नमन चौकसे ने वीरों का स्मरण कुछ यों किया- हमारे ऑपरेशनों की ताकत दुश्मनों से पूछो तुम, वह अपना नुकसान स्वयं बताते हैं । नीतिराज चौरे नीति की इन पंक्तियों को खूब सराहना मिली- वो जीते हैं वतन के वास्ते मरते हैं वतन पर है आबरू है वतन की वो, सितारे वो चमन के है। कुमार अखिलेश ने देशभक्ति का रस अपनी कविताओं से कुछ यूं घोला -फना होकर वतन की मिट्टी पर मुहब्बतो के कर्ज चुकाएं जाते है। अनिल कुमार साकेत को अपनी कविता हेतु दर्शकों की खूब तालियां मिली 'आज की शाम शहीदों के नाम, जिनके लहू से लिखा गया धरती का यह पैगाम' राजेंद्र विश्वकर्मा राज की पंक्तियां थीं- लोग कहते हैं कि ईश्वर एक है, तो क्यों फिर विचार अनेक है। वरिष्ठ कवि गिरजाशंकर नीर ने सस्वर रचना पाठ किया जब लहू का रंग एक, तो यह दूरियां कैसी, एक दूजे के मिलन में, यह मजबूरियां कैसी।

एनआरआई ग्लोबल ग्रुप की पहल, एसीएस संजय शुक्ला से लंदन में चर्चा

तलाशी जाएंगी भोपाल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की संभावनाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के विकास एवं एयर कनेक्टिविटी को लेकर कार्य कर रही संस्था एयर कनेक्टिविटी फॉर भोपाल डेवलपमेंट ग्रुप तथा एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के संस्थापक आबिद फारूकी के नेतृत्व में ग्रुप के प्रतिनिधियों ने लंदन में प्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय कुमार शुक्ला से उनके लंदन प्रवास के दौरान शिष्टाचार भेंट कर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप की टीम द्वारा भोपाल की डोमेस्टिक एवं अंतरराष्टीय एयर कनेक्टिविटी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। एनआरआई समुदाय के सदस्यों ने श्री शुक्ला को मेमोरेंडम सौंपते हुए भोपाल से शीघ्र अंतराष्ट्रीय उड़ानें प्रारंभ करने की मांग रखी, जिसमें विशेष रूप से दुबई एवं सिंगापुर को शामिल किया गया। साथ ही, भोपाल से लखनऊ और कोलकाता की बंद उड़ानों को पुनः प्रारंभ करने की मांग भी रखी गई। एनआरआई समूह को संबोधित करते हुए श्री शुक्ला ने कहा कि भोपाल से एयर कनेक्टिविटी एवं अंतरराष्टीय उड़ानों को लेकर रखी गई मांगों पर वे राज्य सरकार एवं नागरिक उड्डयन (एविएशन) विभाग के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे और जल्द से जल्द इन उड़ानों को शुरू करने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। उन्होंने एनआरआई समुदाय को आश्वस्त किया कि भोपाल को शीघ्र ही अंतरराष्टीय उड़ानों की सौगात मिलेगी। इस अवसर पर एमपी एनआरआई ग्लोबल टीम के सदस्य श्रेयांज जैन, सुदीप साखले, नलिनी और ब्लेसन भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एमपी एनआरआई ग्लोबल मध्यप्रदेश का पहला फ्री ग्लोबल पोर्टल है, जिसके माध्यम से प्रदेश तथा देश-विदेश में रह रहे नागरिकों एवं एनआरआई को निशुल्क सहायता प्रदान की जाती है। इस पोर्टल से वर्तमान में दुनिया भर से अनेक एनआरआई जुड़े हुए हैं। एक कॉल पर वीज़ा, पासपोर्ट, इमिग्रेशन एवं ट्रैवल से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियाँ निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

शहरवासियों ने की पौधे-खाद की खरीदी

भोपाल। राजधानी के हाट में तीन दिवसीय आजीविका ग्रीन मेले का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया गया है। मेले में मिशन अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के रसायन रहित उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहे। मुख्य रूप से समूहों की नर्सरी में तैयार किये गये पौधे, फल, सब्जी, रसायन रहित अनाज, बीज, खाद, कीटनाशक एवं बागवानी के सामान की दूसरे दिन रविवार को भी अच्छी बिक्री हुई। भोपाल, रायसेन, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, मंदसौर, विदिशा, ग्वालियर से समूहों की दीदियां सामग्री लेकर आई हैं।

नगर पालिका परिषद बिजुरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सहबिन पनिका, अध्यक्ष | प्रीति शर्मा, उपाध्यक्ष | पवन साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बिजुरी
समस्त पार्षद गण नगर पालिका परिषद बिजुरी जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश।

गणतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
यशवंत सिंह, अध्यक्ष | धनंजय मुन्ना सिंह, उपाध्यक्ष | मुख्य नगर पालिका अधिकारी
समस्त पार्षदगण, नगर परिषद वनगवां

गणतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पार्वती सिंह, अध्यक्ष | रज्जू सिंह नेताम, उपाध्यक्ष | चैन सिंह परस्ते, सीएमओ
एवं समस्त पार्षदगण नगर पंचायत अमरकंटक

नगर परिषद डुमर कछार जिला अनूपपुर (म.प्र.)
गणतंत्र दिवस की आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ
सीएमओ, नगरपालिका परिषद डुमर कछार | सुनील चौरसिया, अध्यक्ष, नगर परिषद डूमर कछार

कार्यालय नगर परिषद ब्यौहारी
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील- स्वच्छ भारत मिशन में अपना सहयोग दें। समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
श्रीकृष्ण गुप्ता, अध्यक्ष | शरद गौतम, सीएमओ | चंद्रकली पटेल, उपाध्यक्ष
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

कार्यालय नगर परिषद बकहो
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील- स्वच्छ भारत मिशन में अपना सहयोग दें। समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
मौसमी केवट, अध्यक्ष | नीलिमा तिवारी, सीएमओ | वैभव विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

कार्यालय नगर पालिका परिषद धनपुरी
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील- स्वच्छ भारत मिशन में अपना सहयोग दें। समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
रविन्दर कौर छाबड़ा, अध्यक्ष | पूजा बुनकर, सीएमओ | हनुमान खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

कार्यालय नगर परिषद चंदिया जिला उमरिया (म०प्र)
अपील
स्वच्छ चंदिया स्वस्थ्य चंदिया
गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर परिषद चंदिया नगर के नागरिकों का हार्दिक अभिनंदन करती है व अपील करती है कि :-
1. अधिक से अधिक वृक्ष लगाये एवं पर्यावरण को साफ एवं स्वच्छ रखे ।
2. नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे एवं डस्टबिन का प्रयोग करें ।
3. पॉलीथीन का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है, उसका उपयोग न करें ।
4. खुले में शौच न करें एवं शौचालय का प्रयोग करें ।
5. "जल ही जीवन है" इसका दुरूपयोग न करें ।
6. जल संरचनाओं जैसे – तालाब, कुँए, नदी आदि को स्वच्छ रखे उसमें गंदगी न फैलाये ।
7. जन्म–मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन अवश्यक करायें ।
8. करो का भुगतान समय पर करना सुनिश्चित करें
9. कचरा कचरादान में ही डाले
पर्यावरण की रक्षा ही, मानव की सुरक्षा है ।
श्री रोहित कुमार उपाध्याय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद चंदिया | श्री अनुपम चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष, नगर परिषद चंदिया | श्री पुरूषोत्तम कोल, अध्यक्ष, नगर परिषद चंदिया
सम्मानीय पार्षदगण:-श्री गुरूदयाल रजक, श्रीमती रेखा/अभयराज चौधरी,मोतीलाल कोरी, श्रीमती स्नेहलता/राजेश पाण्डेय,श्री अखिल अग्रवाल,श्री सुरेन्द्र मरकरहा, श्रीमती बसोना/अमृत कोल,श्रीमती मंजू कोल,श्री गुलाब कोल, श्रीमती वंदना/मुकेश बारी, श्रीमती शिवकुमारी/शिवम यादव, श्रीमती सुलोचना/ झल्लू कोल,श्रीमती बेबी शबनम/मुख्तियार खान ।

नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर (म.प्र.)
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती रीनू सुरेश कोल, अध्यक्ष,नगर परिषद डोला | राजेश कुमार मार्को, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डोला | रवि शंकर तिवारी, उपाध्यक्ष नगर परिषद डोला
एवं समस्त पार्षद गण नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश

कार्यालय नगर परिषद जयसिंहनगर
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील- स्वच्छ भारत मिशन में अपना सहयोग दें। समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
सुशीला चक्रधारी शुक्ला, अध्यक्ष | निशांत ठाकुर, सीएमओ | संपत मिश्रा, उपाध्यक्ष
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

कार्यालय नगर परिषद बुढ़ार
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील- स्वच्छ भारत मिशन में अपना सहयोग दें। समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
शालिनी सरावगी, अध्यक्ष | सौरभ श्रीवास्तव, सीएमओ | शेखर चौधरी, उपाध्यक्ष
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील
1. समय पर करो का भुगतान करें, कचरा कचरे दान में ही डालें, वृक्ष लगाये पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली पॉलीथिन का उपयोग न करें, पर्यावरण को स्वच्छ बनायें,
घनश्याम जायसवाल, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद शहडोल | सुखेन्द्र सिंह तोमर, प्रभारी सीएमओ, नगरपालिका परिषद शहडोल | प्रवीण शर्मा (डोली), उपाध्यक्ष, नगरपालिका परिषद शहडोल
समस्त पार्षद एवं समस्त कर्मचारी गण

नगर पालिका परिषद कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अजय सराफ, अध्यक्ष,नगर पालिका परिषद कोतमा | प्रदीप झारिया, मुख्य नगरपालिका अधिकारी कोतमा | वैशाली बद्री ताम्रकार, उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद कोतमा
पार्षद गण- दीपू सोनी अभिषेक सोनी राजेंद्र प्रसाद सोनी छाया प्रदीप सोनी राजकली मनोज सोनी सहेन्द्र बसोर राबिया बेगम बबीता सिंह नोहर सिंह मीना सिंह मीना सोनी मोहम्मद मुर्शिद अल्ताफ ठाकुर।

कार्यालय नगर परिषद नौरोजाबाद जिला उमरिया म.प्र.
पता :- वार्ड क्रमांक 08,पीपल चौक,नौरोजाबाद जिला उमरिया (म.प्र.) दूरभाष क्रमांक - 07653-268125,E-Mail:- cmonorojabad@mpurban.gov.in
गणतंत्र दिवस की नगर परिषद नौरोजाबाद हार्दिक शुभकामनायें एवं नागरिक अपील
विकास की ओर निरंतर अग्रसर नगर परिषद की सफलतामें आपका सहयोग ही हमारे लिये सम्बल है :- (01) नगर परिषद के करो का समय पर भुगतान करें। (02)नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। (03)जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न बहायें। (04) पॉलीथीन का उपयोग करना बंद करें। प्लास्टिक की जगह कपड़े,कागज और जूट से बने थैलो का इश्तेमाल करें।
श्री नईम उल्ला बेग, उपाध्यक्ष, नगर परिषद नौरोजाबाद | शिव कुमार धुर्वे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद नौरोजाबाद | श्रीमती कुशल सिंह, अध्यक्ष, नगर परिषद नौरोजाबाद
सम्मानीय पार्षदगण:- सर्व श्रीमती रामप्यारीरौतेल ,श्रीमती गीता पटेल,श्री सतीलाल बैगा, श्रीमती मोनिका कोल, श्री त्रिलोकनाथ दाहिया,श्री सुभाषनारायण सिंह, श्रीमती सावित्री साकेश, श्री नंद लाल चौधरी, श्री मुकेश कुमार उपाध्याय, श्रीमती इसरत जहाँ, श्री प्रमोद सिंह(शैलू)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् पाली, जिला-उमरिया(म.प्र.)
गणतंत्र दिवस के अवसर पर पाली नगर एवं जिले के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुये आप सभी से अपील की जाती है कि -
1. राष्ट्रीय ध्वज,राष्ट्रीय चिह्नों एवं देश के शहीदों का सम्मान करें ।
2. स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में नगर परिषद को अग्रणी बनाने में सहयोग करें ।
3. सम्पत्ति कर एवं अन्य करों का समय पर भुगतान कर नगर के विकास में अपना योगदान करें ।
4. जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न बहायें ।
5. हानिप्रद पॉलीथिन का उपयोग न करें ।
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुश्री शकुन्तला प्रधान, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद पाली जिला–उमरिया (म.प्र.) | राजेश पटेल, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद पाली जिला–उमरिया (म.प्र.)
एवं समस्त पार्षदगण ,नगर पालिका परिषद पाली जिला-उमरिया (म.प्र.) श्रीमती सोना सिंह, श्रीमती संध्यारानी पाण्डेय, श्रीमती सविताम सिंह, श्रीमती उषा कोल, श्रीमती प्रमिला जगवानी, श्रीमती किरण प्रजापति, श्री संजीव खंडेलवाल, श्री घनश्याम कुशवाहा ,श्री भरत प्रजापति, श्रीमती आरती अवधिया, श्रीमती अंजू पटेल, श्रीमती स्नेहलता विश्वकर्मा, श्री रामजी रौतेल, श्री सरजू प्रसाद अग्रवाल (सांसद प्रतिनिधि)
भूपेन्द्र सिंह पन्द्रो, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद पाली जिला–उमरिया (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद मानपुर जिला उमरिया म.प्र.
गणतंत्र दिवस की नगर परिषद मानपुर हार्दिक शुभकामनायें एवं नागरिक अपील
विकास की ओर निरंतर अग्रसर नगर परिषद की सफलतामें आपका सहयोग ही हमारे लिये सम्बल है :- (01) नगर परिषद के करो का समय पर भुगतान करें। (02)नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। (03)जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न बहायें। (04) पॉलीथीन का उपयोग करना बंद करें। प्लास्टिक की जगह कपड़े,कागज और जूट से बने थैलो का इश्तेमाल करें।
श्रीमती भारती सोनी, अध्यक्ष, नगर परिषद मानपुर | राजेन्द्र कुशवाहा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद मानपुर | गीता पटेल, उपाध्यक्ष, नगर परिषद मानपुर | प्रभुनाथ पटेल, उपयंत्री, नगर परिषद मानपुर
एवं समस्त पार्षदगण

कार्यालय नगर पालिका परिषद उमरिया, जिला- उमरिया (म.प्र.)
नगर पालिका परिषद उमरिया गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने नागरिको का हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएं प्रदान करती है एवं नागरिको से अपील करती है कि :-
अपील
स्वच्छ उमरिया, स्वस्थ्य उमरिया
1.नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने मे अपना योगदान दे एवं डस्टबिन का प्रयोग करें। 2.पॉलीथीन का प्रयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है, उसका उपयोग न करें।3.उमरिया नगर को खुले मे शौच से मुक्त करने मे सहयोग प्रदान करें।4.म.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मण्डल की योजनाओ का लाभ प्राप्त करें। 5.लोक सेवा गारण्टी योजना का लाभ प्राप्त करें। 6.दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की योजनाओ का लाभ प्राप्त करें। 7.मुख्यमंत्री हाथठेला,साईकिल रिक्शा चालक, केशशिल्पी, शहरी घरेलेी कामकाजी महिला योजना का लाभ प्राप्त करें।8."जल ही जीवन है " इसका दुरूपयोग न करें । 9.जनकल्याण (नया सवेरा) योजना का लाभ प्राप्त करें 10.निकाय के राजस्व कर /जल कर का भुगतान समय पर करें । 11.कोविड -19 संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें ।
(श्रीमती रश्मि सिंह), अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद उमरिया | अमृत लाल यादव, उपाध्यक्ष, नगर पालिका परिषद उमरिया | (किशन सिंह ठाकुर), मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद उमरिया

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम-2026

पहला दिनः निवेश की चर्चा

- वर्ल्ड इकोनामिक फोरम-2026 के पहले दिन दावोस में मध्यप्रदेश ने वैश्विक निवेश, नवाचार और सतत विकास के एजेंडे पर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य नेतृत्व ने तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई, आईटी, कृषि-खाद्या, पर्यटन और औद्योगिक क्षेत्रों में वैश्विक कंपनियों व संस्थानों के साथ गहन संवाद कर मध्यप्रदेश को एक उभरते, भरोसेमंद और भविष्य तैयार निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया। यह दिन राज्य के लिए निवेश, सहयोग और वैश्विक साझेदारी के नए द्वार खोलने वाला साबित हुआ।
- दावोस में मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक निवेशकों और तकनीकी नेतृत्व के साथ बहु-क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक संवाद किया।
- नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण पर अमारा राजा समूह, ग्रीन एनर्जी-3000, IREDA और पीस इन्वेस्ट के साथ महत्वपूर्ण चर्चाएं हुई।
- मुरैना में संचालित बैटरी स्टोरेज परियोजना और 24×7 नवीकरणीय ऊर्जा रणनीति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया
- पंप स्टोरेज, हाइब्रिड ऊर्जा मॉडल (सौर जल, सौर-तागीय) और को-इन्वेस्टमेंट आधारित परियोजनाओं पर निवेश रुचि सामने आई।
- जापान बैंक (JBIC) के साथ येन त्ररण, विनिर्माण, सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग की संभावनाओं पर मंथन हुआ।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ चंबल अंचल में बायो-एनर्जी परियोजनाओं पर गहन चर्चा की गई।
- इजराइल इनोवेशन अथॉरिटी के साथ क्वांटम टेक्नोलॉजी, एडटेक, रक्षा रकनीक और जल समाधान पर नवाचार सहयोग एप्स सहमति बनी।
- भारत-इजराइल सहयोग के तहत पायलट प्रोजेक्ट्स, टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेशन और सह-निवेश मॉडल पर आगे बढ़ने का निर्णय।
- एआई और डीप-टेक क्षेत्र में टच लैब के साथ साइबर सुरक्षा, गेमिंग और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग की संभावनाएं तलाशी गई।
- नार्ट्रक्स को एडवांस्ड मोचिलिटी, एआई-आधारित टेस्टिंग और नेक्स्ट जेन टेक एप्लिकेशंस के लिए रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के साथ टियर-2 शहरों में आईटी, बीपीओ और जीसीसी/ओडीसी विस्तार पर सकारात्मक संवाद हुआ।
- कुशल मानव संसाधन, विश्वसनीय विद्युत, अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और रेडी-टू-मूव इन ऑफिस स्पेस को प्रमुख ताकत के रूप में रखा गया।
- शिरू कंपनी के साथ एआई आधारित प्रोटीन नवाचार, कृषि-आधारित इनपुट्स और अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर सहयोग की दिशा तय हुई।
- विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान संस्थानों और स्टार्ट-अप ईकोसिस्टन के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट्स और सह-विकास पर ओर दिया गया।
- जियोस्टार और ब्लूमबर्ग मीडिया के साथ पर्यटन ब्रांडिंग और वैश्विक नीति-व्यापार मंचों पर मध्यप्रदेश की उपस्थिति पर चर्चा हुई।

दूसरा दिन : उच्चस्तरीय वार्ताएं

- फोरम के दूसरे दिन मध्यप्रदेश ने वैश्विक निवेश और प्रौद्योगिकी मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा परिवर्तन, डिजिटल नवाचार, अधोसंरचना विकास और निवेश सहयोग के क्षेत्रों में विश्व की अग्रणी कंपनियों के साथ उच्चस्तरीय संवाद किए। इन बैठकों के माध्यम से मध्यप्रदेश ने सतत विकास, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी-आधारित आर्थिक वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिवद्धता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।
- मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं निवेश कंपनियों के साथ रणनीतिक संवाद और सहयोगात्मक बैठक की।
- ग्लोबल साउथ के लिए तैयार द मेरिडियन कलेक्टिव प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य उप-राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा परिवर्तन और औद्योगिक डिकार्बोनाइजेशन को गति देना है।

मुख्यमंत्री जी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स कृपया फॉलो करें।

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम-2026

दावोस में 'इन्वेस्ट इन इंडियाः इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश' का न्यौता

सुगम व्यापार नीतियों से विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों को विशेष सहयोग देगी सरकार

मध्यप्रदेश सरकार निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सुगम व्यापार वातावरण (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) पर केंद्रित नीतियों के माध्यम से विकास को नई गति दे रही है। राज्य की सुदृढ़ अवसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और जल, भूमि, श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता निवेशकों के लिए एक बड़ी ताकत है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026' दावोस में 'इन्वेस्ट इन इंडियाः मध्यप्रदेश एक रणनीतिक निवेश केंद्र' पर आयोजित राउंड टेबल मीटिंग में कही। मीटिंग में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख और उभरते निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया।
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऑटोमोबाइल, नवकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, आईटीआई, टीईएस, कृ षि एवं खाद्य प्रसंस्करण, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू निवेशकों से इन क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा दी जा रही नीतिगत सहायता और विभिन्न प्रोत्साहनों की जानकारी भी साझा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार उन उद्योगों और व्यवसायों को विशेष सहयोग देगी, जो मध्यप्रदेश में रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी निवेश प्रस्ताव को विशेष या अनुकूलित समर्थन की आवश्यकता होगी, तो निवेश प्रोत्साहन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति (कैबिनेट कमेटी फॉर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन) ऐसे प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने दावोस में 'डी-रिस्किंग द ग्रीन लीप : सब नेशनल ब्लू प्रिंट फॉर यूटिलिटी स्केल एनर्जी ट्रांजिशन' विषय पर हुई राउंड टेबल मीटिंग में भागीदारी की।

विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों को प्रभावी बनाने साझा किए सुझाव

राउंड टेबल चर्चा में शामिल निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने पर्यटन, मनोरंजन, डिजाइन, नवकरणीय ऊर्जा, निर्यात, रसायन, अल्कोहल, टेक्सटाइल पार्क, वित्तीय क्षेत्र, आईटीआईटीईएस, जीसीसी और बौद्धिक संपदा जैसे क्षेत्रों में नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर अपने सुझाव साझा किए। इनमें जिरोधा के सह-संस्थापक श्री निखिल कामथ, हिताची इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. भारत कौशल, एमोविया की सह-संस्थापक एवं सीईओ सुश्री कैरन बाएर्ट, एंटोरा एनर्जी के सीईओ श्री एंड्रयू पोर्निक, AB InBev के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट अफेयर्स) श्री एंड्रिस पेनेटा, न्यू दिल्ली हब के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री ईशान प्रताप सिंह, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के ग्लोबल सीटीओ श्री कल्याण कुमार शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार निवेश अनुकूल नीतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश और डीपी वर्ल्ड के बीच हुआ एमओयू

लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश सहयोग के लिए बनी सहमति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में दावोस में मध्यप्रदेश और वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन क्षेत्र की संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में स्थित अग्रणी कंपनी डीपी वर्ल्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मध्यप्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर औद्योगिक विकास और निवेश सहयोग से जुड़े विषयों पर सहमति बनी, जो राज्य में लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

समझौता ज्ञापन के तहत डीपी वर्ल्ड द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश और सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई गई। यह पहल राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण एवं बुनियादी ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और औपचारिक रूप से समझौता दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सहयोग पर महत्वपूर्ण बैठकें

- श्री कृष्णन एन. बालेंद्र (चेयरपर्सन, जॉन कील्स होल्डिंग्स लिमिटेड) के साथ फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण, धार्मिक पर्यटन और नर्मदा बेसिन में कृषि-प्रसंस्करण पर निवेश संभावनाओं पर चर्चा हुई।
- क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के डिप्टी सीईओ श्री तुषार सिंघवी से स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स और अधोसंरचना क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं स्केलेबल निवेश अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।
- गूगल के वाइस प्रेसिडेंट (एशिया पैसिफिक) श्री संजय गुप्ता के साथ एआई मिशन, क्लाउड डेटा सेंटर, एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर और कार्बन-फ्री डिजिटल ईकोसिस्टम पर सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।
- ट्री एनर्जी सॉल्यूशंस (TES) के सीईओ श्री मार्को अल्वेरा के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और e NG आधारित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर संवाद हुआ, जो राज्य की भविष्य-उन्मुख ऊर्जा नीति के अनुरूप है।

अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश की विकास यात्रा में सहयात्री बनने का आमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के प्रतिष्ठित वैश्विक पटल पर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और निवेश संभावनाओं का गौरवशाली चित्रण पर आकर्षक प्रजेंटेशन दिया। 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केलः हाउ मध्यप्रदेश इज ड्राइविंग ग्रोथ थ्रू इनोवेशन, कल्चर एंड कनेक्टिविटी' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय सेशन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्वेस्टमेंट और हॉस्पिटिलिटी सेक्टर्स के प्रतिनिधियों को 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में सहयात्री बनने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्तमान में आकांक्षी और तीव्र गति से विकास की राह पर अग्रसर राज्य है। उन्होंने रेखांकित किया कि राज्य केवल अपनी भौगोलिक स्थिति से ही 'भारत का हृदय' नहीं है, बल्कि अपनी नवाचारी नीतियों और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित कर पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर एक बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी परियोजनाओं की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और पुरातात्विक वैभव को आधुनिक सुविधाओं के

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में ग्लोबल एआई इनिशिएटिव की उपाध्यक्ष कैलिस्टा एडमण्ड से मध्यप्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा की।

साथ जोड़कर पर्यटन के एक नए युग का सूत्रपात किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैश्विक समुदाय का आव्हान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश न केवल निवेश के अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह 'अतिथि देवो भवः' की सनातन संस्कृति और आधुनिक नवाचार के उत्कृष्ट समन्वय का संगम भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवाचार और सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में चौथा स्थान हासिल करते हुए अब विश्व की तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार से बदलते समय में देश के प्रत्येक राज्य के पास आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर हैं। देश के अन्य राज्यों को भी वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक आयोजन में शामिल होना चाहिए, जहां राज्यों को औद्योगिक निवेश प्राप्त करने का व्यापक अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फोरम में कहा कि यहां चर्चा का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को रोजगार और भारतीय उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाना है, जिससे मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। मध्यप्रदेश में निवेश की सभी तरह की संभावनाएं हैं। अच्छी टेक्नॉलोजी को लागू करने के लिए विश्व के प्रमुख उद्यमियों को आमंत्रित करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती के लिए यह श्रेष्ठ फोरम है।

दावोस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी मध्यप्रदेश के नवाचार, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक ब्रांडिंग की प्रस्तुति

निवेश, रोजगार और सतत् विकास के नए अवसरों के सृजन की यात्रा

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दावोस यात्रा मध्यप्रदेश के लिए निवेश, नवाचार, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक ब्रांडिंग के दृष्टिकोण से अत्यंत सफल एवं उपलब्धिपूर्ण रही। इस यात्रा के चौरान मुख्यमंत्री ने राज्य को हरित ऊर्जा, पर्यटन, उद्योग, कृषि, फार्मा, डिजिटल इकोनॉमी, खेल, योग और सांस्कृतिक संवाद के एक उभरते वैश्विक केंद्र के रूप में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दावोस यात्रा ने मध्यप्रदेश को निवेश, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के वैश्विक मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित किया है। यह यात्रा राज्य के हरित, डिजिटल और समावेशी भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुई है, जिससे आने वाले समय में निवेश, रोजगार और सतत विकास के नए अवसर सृजित होंगे।

हरित ऊर्जा और समावेशी विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय राउंड टेबल मीटिंग में भाग लेकर मध्यप्रदेश का हरित ऊर्जा विजन प्रस्तुत करते हुए इसे राज्य के समावेशी और सतत विकास की मुख्यधारा में शामिल करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति और भावी योजनाओं की जानकारी दी तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोवी के हरित ऊर्जा बिजन से प्रेरित राज्य मॉडल को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया। केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जो मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने मध्यप्रदेश की नीतियों और उपलब्धियों की सराहना की।

निवेश प्रोत्साहन और उद्योग संवाद

- 'इन्वेस्ट इन इंडियाः मध्यप्रदेश' राउंड टैबल में वैश्विक निवेशकों से सीधा संवाद।
- मध्यप्रदेश को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, भूमिजल ऊर्जा उपलब्धता और सुदृढ़ लॉजिस्टिक्स वाला राज्य बताया।
- ऑटोमोबाइल, नवकरणीय ऊर्जा, फार्मा, टेक्सटाइल, आईटीआईटीईएल, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश अवसर प्रस्तुत।
- रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों को विशेष सहयोग देने की घोषणा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में मालदीव के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री श्री मोहम्मद सईद को निवेश के लिए मध्यप्रदेश आमंत्रित किया।

फार्मा और स्वास्थ्य क्षेत्र

- सैंडोज प्रतिनिधिमंडल के साथ फार्मा विनिर्माण एवं निवेश पर विस्तृत चर्चा। जेनेरिक दवाओं, एपीआई और एंटी- इन्फेक्टिव्स निर्माण में निवेश संभावनाओं पर सहमति।
- फार्मा क्षेत्र में औद्योगिक उत्वसंरचना, नीति समर्थन और कुशल कार्यबल विकास को रेखांकित किया।

पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी में वैश्विक प्रस्तुति

- 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल' सत्र में मध्यप्रदेश का आकर्षक प्रेजेंटेशन।
- विरासत, वन्यजीव, आध्यात्मिक और सांस्कृ तिक पर्यटन को वैश्विक निवेश से जोड़ने का विजन।
- वैश्विक निवेशकों को 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आमंत्रण।

अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सहयोग

- मालदीव के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री श्री मोहम्मद सईद से द्विपक्षीय वार्ता।
- पर्यटन, चिकित्सा, शिक्षा, वन्यजीव संरक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर सहमति।
- उप-राष्ट्रीय स्तर पर दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग करें मजबूती।

डिजिटल भविष्य और स्वच्छ ऊर्जा का समन्वय

- ReNew Power के सीईओ के साथ संवाद।
- डेटा सेंटर, डिजिटल इकोनॉमी और स्वचा ऊर्जा आधारित विकास मॉडल प्रस्तुत।
- मध्यप्रदेश को भरोसेमंद हरित ऊर्जा डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने पर जोर।

खेल विकास और योग

- मैनचेस्टर यूनाइटेड के निदेशक से खेल विकास और खेल पर्यटन पर चर्चा।
- मध्यप्रदेश को उभरते खेल हब के रूप में विकसित करने की रणनीति।
- योग और चेतना से जुड़े वैश्विक संगठनों से संवाद।
- उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन एवं स्थायी योग केंद्र की संभावनाएं।

स्विट्जरलैंड के साथ सहयोग

- स्विस संसद के सदस्यों से स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और जनजातीय करन्याण पर चर्चा।
- तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास और हरित नवाचार में सहयोग की संभावनाएं।

D-16153/25

कोटा की चुप्पी

कोचिंग नगरी कोटा एक बार फिर शर्मसार है। जेईई की तैयारी कर रहे 12वीं कक्षा के छात्र सरताज सिंह की आत्महत्या केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था पर गहरी चोट है जिसे हम 'सफलता की फैक्ट्री' कहकर महिमामंडित करते रहे हैं। दिल्ली-मुंबई रेल लाइन पर ट्रेन के सामने कूदकर जान देने वाला यह छात्र एक सपना लेकर कोटा आया था, लेकिन वही सपना उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया। सरताज का मामला कोई अपवाद नहीं है। बीते वर्षों में कोटा सैकड़ों होनहार छात्रों की आत्महत्याओं का गवाह बन चुका है। हर बार प्रशासन जांच की बात करता है, समितियां बनती हैं, दिशा-निर्देश जारी होते हैं, लेकिन सवाल वही रहता है- क्या हम वास्तव में बच्चों की जान बचाने को गंभीर हैं या सिर्फ आंकड़ों को संभालने में लगे हैं? यह घटना इसलिए भी विचलित करती है क्योंकि सरताज अपने घर लौटने की बात कहकर निकला था। परिवार से हुई आखिरी बातचीत में उसने ट्रेन लेट होने का बहाना बनाया। क्या यह एक सामान्य झूठ था या मदद की एक अनसुनी पुकार? इस सवाल का जवाब शायद कभी नहीं मिल पाएगा, लेकिन यह जरूर सोचने पर मजबूर करता है कि हमारे बच्चे अपनी पीड़ा साझा करने से क्यों डरते हैं। कोटा की कोचिंग संस्कृति लंबे समय से 'रिजल्ट' के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यहां सफलता को रैंक में मापा जाता है और असफलता को निजी कमजोरी मान लिया जाता है। 12वीं के छात्र पर बोर्ड परीक्षा, जेईई, परिवार की उम्मीदें और समाज की तुलनासबका बोझ एक साथ डाल दिया जाता है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य पर बात करना अब भी कमजोरी समझा जाता है। सरताज एक किसान का इकलौता बेटा था। उसके सपनों में केवल अपनी नहीं, पूरे परिवार की उम्मीदें बसी थीं। उसकी मौत यह सवाल छोड़ जाती है कि क्या हम बच्चों को यह सिखा पाए हैं कि परीक्षा में असफल होना जीवन में असफल होना नहीं है? या फिर हमने अनजाने में उन्हें यह मानने पर मजबूर कर दिया है कि हार का मतलब सब कुछ खत्म? सरकार और कोचिंग संस्थानों के दावे अब खोखले लगते हैं। हेल्पलाइन नंबर, पोस्टर और नियम तब तक बेमानी हैं, जब तक छात्र खुद को सुना हुआ और सुरक्षित महसूस न करें। जरूरत है एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ संवेदना भी हो, जहां रैंक से ज्यादा इंसान की अहमियत हो। सरताज की मौत हमें झकझोरने के लिए काफी होनी चाहिए। सवाल यह नहीं है कि वह क्यों टूटा, असली सवाल यह है कि हम कब तक टूटते बच्चों को देखते रहेंगे और खुद को निर्दोष मानते रहेंगे?

मदर ऑफ ऑल डील्स और भारत का उभरता वैश्विक आत्मविश्वास

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
पत्रकार

भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति आज बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुदृढ़ होती भूमिका का स्पष्ट संकेत दे रही है। देखा जाए तो राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को हुआ यह समझौता उस भारत की तस्वीर पेश करता है, जिसे आज आप विश्व की उभरती हुई अर्थव्यवस्था से आगे वैश्विक आर्थिक विमर्श को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में पहचानते हैं।

वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जाना और वैश्विक मंचों पर इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जाना भारत की इसी बदली हुई हैसियत को रेखांकित करता है। यूरोपीय संघ के 27 देशों और भारत के बीच हुआ यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं को गहरे आर्थिक और रणनीतिक सूत्र में बांधता है। यह समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के करीब एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। दो अरब से अधिक की सम्मिलित जनसंख्या वाला यह बाजार आने वाले वर्षों में उत्पादन, निवेश और उपभोग का विशाल केंद्र बनने जा रहा है। यही कारण है कि इसे व्यापारिक करार नहीं, साझा समृद्धि का खाका तक कहा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' के उद्घाटन सत्र में इस समझौते की घोषणा करते हुए जिस आत्मविश्वास का परिचय दिया, वह भारत की आर्थिक स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता का परिणाम है। उनके अनुसार समझौता भारत के 140 करोड़ नागरिकों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा। कहना होगा कि आज जब दुनिया संरक्षणवाद और व्यापार अवरोधों की ओर झुकती दिख रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ का मुक्त व्यापार के पक्ष में खड़ा होना बहुपक्षवाद और नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को मजबूती देता है।

आर्थिक आंकड़े इस समझौते की महत्ता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2024-25 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच 136 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार हुआ। भारत यूरोप से मशीनें, परिवहन उपकरण और रसायनों का आयात करता है, जबकि भारत से मशीनें, रसायन, लोहा, एल्यूमिनियम, तांबा, खनिज उत्पाद, कपड़ा और चमड़े के सामान का निर्यात होता है। एफटीए लागू होने के बाद शुल्क और गैर शुल्क बाधाओं में कमी आएगी, जिससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। इसका सीधा लाभ किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगा। सेवा क्षेत्र इस समझौते का एक और बड़ा लाभार्थी है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूरोप के बाजारों में नई संभावनाएं मिलेंगी। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय निवेश की योजना बना रहे मुख्य कार्याधिकारियों की नजर में भारत तेजी से ऊपर चढ़ा है। पीडब्ल्यूसी के 29वें ग्लोबल सीईओ सर्वे के अनुसार 13 प्रतिशत सीईओ भारत को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य मानते हैं, जबकि पिछले वर्ष भारत इस सूची में पांचवें स्थान पर था। यह उछाल भारत की आर्थिक नीतियों और बाजार क्षमता पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। यह दर वैश्विक औसत से ऊंची है और प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से भी बेहतर है। भारतीय उद्योग जगत का विश्वास भी इसी दिशा में संकेत करता है। सर्वे के अनुसार 77 प्रतिशत भारतीय सीईओ देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर आशावादी हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 55 प्रतिशत है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़े भारत की इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में भारत में एफडीआई में 73 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुल 47 अरब डॉलर का निवेश आया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में बड़े निवेशों से प्रेरित रही, हालांकि उत्पादन क्षेत्र में भी निवेश का प्रवाह बढ़ा है। साल 2014 से 2025 के बीच एफडीआई इक्विटी प्रवाह 7.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले दौर की तुलना में लगभग दोगुना है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारत अब दीर्घकालिक निवेश के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है।

कहना होगा कि सरकार की नीतिगत पहलों ने इस निवेश उछाल की नींव रखी है। 'मेक इन इंडिया' अभियान ने भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए। एफडीआई नियमों का सरलीकरण, रक्षा, रेलवे और बीमा जैसे क्षेत्रों में निवेश की सीमा बढ़ाना और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित किया। परिणामस्वरूप ऐपल, सैमसंग, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में अरबों डॉलर के निवेश की घोषणाएं की हैं। ये निवेश तकनीक, कौशल और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। वैश्विक परिदृश्य में भारत का प्रदर्शन इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि कई अन्य बड़े देशों में निवेश में गिरावट देखी गई है। चीन में लगातार तीसरे वर्ष एफडीआई में कमी आई है, जबकि भारत इस प्रवृत्ति का अपवाद बनकर उभरा है। सेमीकंडक्टर मिशन, चिप्स निर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां और नवीकरणीय ऊर्जा में 500 गीगावाट का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं। इन पहलों ने यूरोप, जापान और अन्य देशों से निवेश आकर्षित किया है। भारत ने साल 2026 के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लक्ष्य 100 अरब डॉलर तय किया है। साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था से उम्मीद है कि वह आने वाले वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20 प्रतिशत योगदान देगी।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह एफटीए इसी व्यापक आर्थिक परिवर्तन को आज व?यापक स?तर पर दर्शा रहा है। यह समझौता भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, वैश्विक जिम्मेदारी और साझेदारी आधारित विकास मॉडल को भी दिखाता है। यदि वर्तमान गति और नीतिगत निरंतरता बनी रही, तो साल 2030 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भारतवासियों के लिए कोई सपना नहीं रहेगा। निःस्संदेह यह समझौता भारत के वैश्विक आर्थिक उत्थान की यात्रा में मील का पत्थर है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कागजी सम्मान की चमक में खोता समाज के वभिन्न वर्गों का वास्तविक योगदान

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं हैं बल्कि ये राष्ट्र के आत्ममंथन के अवसर भी होते हैं। इन दिनों प्रशासन द्वारा दिए जाने वाले प्रशंसा पत्रों को समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उद्देश्य यह होता है कि ऐसे लोगों को सामने लाया जाए जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र, समाज और व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। किंतु बीते कुछ वर्षों में इन प्रशंसा पत्रों की प्रक्रिया और चयन पद्धति पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

सबसे बुनियादी सवाल यही है कि क्या किसी प्रशंसा पत्र के लिए आवेदन करना आवश्यक होना चाहिए? यदि हाँ, तो क्यों? सम्मान तो वह होता है जो स्वतः मिले, जिसे समाज और व्यवस्था स्वयं पहचानें। यदि किसी व्यक्ति को अपने कार्य के लिए स्वयं आवेदन करना पड़े या किसी माध्यम से अपना नाम अनुशंसित करवाना पड़े तो ऐसे सम्मान की नैतिकता और प्रामाणिकता पर स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है।

विडंबना यह है कि जब किसी क्षेत्र में अनियमितता, भ्रष्टाचार या अव्यवस्था की खबरें समाचार पत्रों, टीवी चैनलों या सोशल मीडिया पर आती हैं तो प्रशासन तत्काल सक्रिय हो जाता है। जांच बिठा दी जाती है, नोटिस जारी होते हैं और कार्रवाई की घोषणाएँ की जाती हैं। यानी नकारात्मक घटनाओं पर प्रशासन की दृष्टि अत्यंत सजग और तीक्ष्ण है। फिर सकारात्मक, रचनात्मक और जनहितकारी कार्यों को पहचानने में वही प्रशासन इतना असहाय क्यों दिखाई देता है? क्या अच्छे कार्यों को देखने और समझने की प्रशासनिक दृष्टि अब केवल फाइलों और औपचारिक रिपोर्टों तक सीमित होकर रह गई है? वास्तविकता यह है कि आज प्रशंसा पत्रों की व्यवस्था योग्यता की बजाय प्रक्रिया आधारित होती जा रही है। आवेदन, अनुशंसा, विभागीय चैनल और व्यक्तिगत संपर्क- ये सभी सम्मान प्राप्त करने के अनौपचारिक मानदंड बन चुके हैं। परिणामस्वरूप वही लोग बार-बार सम्मानित होते दिखाई देते हैं जो व्यवस्था के भीतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना जानते हैं, न कि वे जिन्होंने वास्तव में समाज के लिए ज़मीन पर काम किया है। यह स्थिति सम्मान को प्रेरणा के साधन से अधिक एक औपचारिक रस्म में बदल देती है। यह भी देखने में आता है कि कई बार प्रशंसा पत्र सरकारी कर्मचारियों को उनके नियमित दायित्वों के निर्वहन के लिए दे दिए जाते हैं, जबकि उनका कार्य मूलतः उनकी नौकरी का हिस्सा होता है। इसके विपरीत, अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, कलाकार, शिक्षक और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले लोग- जो बिना किसी पद या संसाधन के समाज में बदलाव लाने का प्रयास कर रहे होते हैं- प्रशासन की दृष्टि से बाहर ही रह जाते हैं। क्या यह सम्मान की सही कसौटी है?

प्रशंसा पत्रों के मूल्य पर भी विचार आवश्यक है। जिन व्यक्तियों को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर पत्र लिखे जाते हैं, वे केवल औपचारिक सम्मान नहीं होते। ऐसे पत्र व्यक्ति के कृतित्व के ऐतिहासिक दस्तावेज बन जाते हैं। वे शोध-ग्रंथों में उद्धृत होते हैं, सामाजिक स्मृति का हिस्सा बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। इसके विपरीत, आवेदन-आधारित प्रशंसा पत्र अक्सर समारोह समाप्त होते ही अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं। सम्मान की सबसे बड़ी कसौटी प्रशासन नहीं बल्कि समाज होता है। पाठक, दर्शक, श्रोता और आम लोग तय करते हैं कि कौन उनके विश्वास पर खरा उतरा और कौन नहीं। साहित्य और कला के क्षेत्र में यह बात और भी स्पष्ट हो जाती है। किसी रचनाकार का मूल्यांकन उसके प्रमाण पत्रों से नहीं, बल्कि उसकी रचनाओं, विचारों और सामाजिक प्रभाव से होता है। यही कारण है कि कई बार बिना किसी औपचारिक सम्मान के भी कुछ लोग समाज में अमर हो जाते हैं, जबकि अनेक पदक और प्रमाण पत्र पाने वाले लोग समय के साथ भुला दिए जाते हैं।

यहाँ पद और प्रतिष्ठा के अंतर को समझना भी आवश्यक है। पद से मिलने वाला सम्मान अस्थायी होता है। जब तक व्यक्ति पद पर होता है, तब तक उसके चारों ओर अभिनंदन और औपचारिक सम्मान की भीड़ रहती है। जैसे ही पद समाप्त होता है या व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है, वही भीड़ छँटने लगती है। इसके विपरीत, जो लोग अपने कार्य और कृतित्व के बल पर पहचान बनाते हैं, उनकी प्रतिष्ठा पद से परे होती है और समय के साथ और गहरी होती जाती है। दुर्भाग्य से कुछ अधिकारी पद के मद में यह भूल जाते हैं कि वे राष्ट्र और समाज से बड़े नहीं हैं। पद उन्हें अधिकार देता है, श्रेष्ठता नहीं। यदि किसी अधिकारी ने अपने सेवाकाल में राष्ट्र और समाज के लिए कुछ विशिष्ट नहीं किया, तो ऊँचे पद से सेवानिवृत्ति के बाद भी उसका जीवन सामान्य ही रह जाता है। इतिहास में अधिकारी नहीं बल्कि विचार, कृतियाँ और योगदान दर्ज होते हैं। यह भी सच है कि साहित्य और कला की समझ न रखने वाले कुछ अधिकारी सम्मान की प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में चयन का आधार गुणवत्ता नहीं बल्कि सुविधा और औपचारिकता बन जाता है। इससे न केवल वास्तविक योगदान करने वालों के साथ अन्याय होता है, बल्कि सम्मान की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। प्रश्न यह भी उठता है कि जब किसी व्यक्ति के कार्यों को मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया हो, समाज ने स्वीकार किया हो और उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता हो, तो फिर उसे प्रशासनिक प्रशंसा-पत्र के लिए आवेदन करने की आवश्यकता ही क्यों होनी चाहिए? क्या यह सम्मान की मूल भावना के विपरीत नहीं है?

गणतंत्र की मजबूती केवल संस्थानों से नहीं बल्कि उन व्यक्तियों से आती है जो बिना किसी पुरस्कार की अपेक्षा के अपना कर्तव्य निभाते हैं। ऐसे लोगों को पहचानना और सम्मान देना ही किसी स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। यदि प्रशासन इस दिशा में ईमानदार प्रयास करे, तभी प्रशंसा पत्र वास्तव में प्रशंसा के पात्र बन पाएँगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

खून की नसों में हो सकती है एलर्जी, सर्दी से बचाव करना है जरूरी

बहुत से लोगों को ठंड के मौसम में खून की नसों में एलर्जी की समस्या हो जाती है, सवाल है कि ठंड से एलर्जी क्यों होती हैं और इसे कैसे ठीक करें? मेदांता हॉस्पिटल में वैस्कुलर सर्जन डॉक्टर राजीव परख के अनुसार, इस समस्या से बचने के लिए ठंड में बाहर निकलते समय मल्टी-लेयर कपड़े पहनें, पैरों में पहले कॉटन की जुराब और उसके ऊपर ऊनी जुराब जरूर पहनें, हाथ-पैर खुले न रखें और ठंडी हवा या बहुत ठंडी जगह में ज्यादा देर तक रहने से बचें।

डॉक्टर ने बताया कि बहुत से लोग सोचते हैं कि एलर्जी सिर्फ त्वचा पर ही होती है जैसे खुजली, लाल चकत्ते या रैशेज। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होता है कि खून की नसों यानी ब्लड वेसल्स में भी एलर्जी जैसी समस्या हो सकती है। यह कंडीशन गंभीर हो सकती है और इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इस समस्या से बचने के लिए ठंड से बचाव बेहद जरूरी है। इसके लिए कुछ उपाय आजमा सकते हैं जैसे स्मोकिंग पूरी तरह छोड़ दें क्योंकि यह खून की नसों को और ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। अगर हाथ-पैर बहुत ठंडे हो जाएं तो गुनगुने पानी की बोतल से धीरे-धीरे गर्मी दें। इसके अलावा प्रभावित हिस्से पर सीधे बहुत गर्म चीज लगाने से बचें क्योंकि इससे त्वचा और नसों को नुकसान हो सकता है।

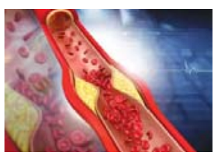

खून की नसों पर असर: डॉक्टर ने बताया कि बहुत ज्यादा ठंड के मौसम में खून की नसें सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है और कई बार पूरी तरह रुक भी सकता है, नसें सिकुड़कर बंद हो जाती हैं। जब नसों में सूजन आ जाती है या वे बंद हो जाती हैं, तो उस हिस्से में खून की सप्लाई कम हो जाती है और जब तक यह सप्लाई दोबारा शुरू नहीं होती, तब तक वह हिस्सा सुन्न, ठंडा या नीला पड़ सकता है। कुछ लोगों में खून की नसों में एलर्जी की समस्या ज्यादा गंभीर हो सकती है। इन लोगों में ठंड या किसी एलर्जी के कारण अगर नसें बंद हो जाएं, तो यह कंडीशन गंभीर हो सकती है और टिश्यू को भी नुकसान हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए ठंड से बचाव बहुत जरूरी है। आप कुछ उपाय आजमाकर इससे समस्या से बच सकते हैं या कंडीशन को नॉर्मल कर सकते हैं। ठंड में बाहर निकलते समय मल्टी-लेयर कपड़े पहनें। पैरों में पहले कॉटन की जुराब, उसके ऊपर ऊनी जुराब पहनें हाथ-पैर खुले न रखें स्मोकिंग से पूरी तरह बचें क्योंकि यह नसों को और नुकसान पहुंचाती है हाथ-पैर बहुत ज्यादा ठंडे हो जाएं तो गुनगुने पानी की बोतल का इस्तेमाल करें सीधे बहुत गर्म चीज लगाने से बचें क्योंकि तेज गर्मी देने से त्वचा और नसों को नुकसान पहुंच सकता है?

सुविचार

अपनी याददाश्त के
बजाय अपनी कल्पना के
अनुसार जियें।
-अज्ञात

निशाना

ख्वाबों को हकीकत में...!

कुमार अखिलेश

यूँ ख्वाबों को हकीकत में बदलते बदलते,
जिंदगी ही गुजर गई, हालत बदलते बदलते।
हम वो परिंदे है, जिसे अपना शजर नसीब ना हुआ,
गुजरी है अपनी जिंदगी, मकान बदलते बदलते।
नुमाइश की दुनिया में, गुजारी है जिंदगी मैंने,
थक गया हूं मैं अब, किरदार बदलते बदलते।
कहाँ पर ला कर छोड़ेगी, यह आधुनिकता हमको,
कहाँ आ गए हम, संस्कार बदलते बदलते।
वो सियासत-दाँ देश का क्या भला करेंगे ,
जिंदगी गुजरी है जिनकी, दरबार बदलते बदलते।
खानाबदोशों का कोई एक ठिकाना नहीं होता,
गुजरती है जिंदगी 'अखिलेश' शहर बदलते बदलते।

यूजर्स गाइड

13 साल पुराने आईफोन में भी लेटेस्ट अपडेट के साथ मिलेंगे फेस टाइम जैसे फीचर्स

ऐपल ने एक ऐसा काम कर दिया है, जो आईफोन के साथ-साथ एंड्रॉयड यूजर्स के लिए भी चौकाने वाला है। कंपनी ने iPhone 5s के लिए एक नया सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किया है। यह वही आईफोन है, जो सितंबर, 2013 में पहली बार बाजार में आया था। एक दशक से भी ज्यादा समय के बाद इसके लिए अपडेट जारी करना एक हैरान कर देनी वाली बात है। इस पर कंपनी का कहना है कि यह अपडेट लोगों को इस पुराने आईफोन को कुछ और समय तक इस्तेमाल करने में मदद करेगा और जरूरी सेवाओं को भी चालू रखेगा।

अब iPhone zs का इस्तेमाल यूजर्स और भी लंबे समय तक कर सकते हैं। क्योंकि कंपनी ने इसके लिए सॉफ्टवेयर अपडेट जारी कर दिया है। ऐपल ने यह अपडेट नए आईफोन्स के लिए लेटेस्ट द्बह्यस् 26.2.1 अपडेट के साथ रिलीज किया है। द्बह्यस् 12.5.8 खास तौर पर उन डिवाइसों के लिए है, जो अभी भी द्बह्यस् 12 पर रन करते हैं। इनमें आईफोन 5ह्य और आईफोन 6 शामिल हैं। अपडेट जारी होने के साथ ही लोगों के मन में एक बड़ा सवाल आ गया है। आखिर कंपनी ने क्यों सालों पुराने फोन के लिए अपडेट जारी किया है। इससे पता चल रहा है कि कंपनी नए आईफोन के साथ-साथ अपने सबसे पुराने सपोर्टेड डिवाइसों पर भी ध्यान दे रहा है। 13 साल बाद आईफोन 5s के लिए मिला अपडेट जरूरी सिस्टम सर्टिफिकेट को बढ़ाएगा। यह सर्टिफिकेट iMessage, FaceTime और यहां तक कि बेसिक डिवाइस एक्टिवेशन जैसी सुविधाओं के लिए जरूरी है। अगर यह सर्टिफिकेट नहीं बढ़ाया जाता, तो पुराना सर्टिफिकेट एक्सपायर होने के बाद ये सर्टिफिकेट बेस्ड सुविधाएं काम करना बंद कर देतीं। ऐपल का कहना है कि ये फंक्शन जनवरी, 2027 के बाद भी काम करते रहेंगे। यह उन लोगों के लिए काफी सही है जो अभी भी इन डिवाइसों को सेकेंडरी फोन, बैकअप हैंडसेट या फिर घर के बुजुर्ग सदस्यों के लिए इस्तेमाल करते हैं। अपडेट के बिना, यूजर्स उन सर्विस का उपयोग नहीं कर पाते।

2023 में आया था आखिरी अपडेट: बता दें कि iOS 12.5.8 से पहले, आईफोन 5ह्य और आईफोन 6 के लिए आखिरी अपडेट जनवरी, 2023 में जारी किया गया था। अब लगभग 3 साल बाद फिर से डिवाइस को अपडेट मिला है। ऐपल का कहना है कि वह आईफोन लॉन्च होने के समय कम से कम पांच साल तक सुरक्षा अपडेट देने का दावा करता है। लेकिन कंपनी अक्सर अपने वादे से कहीं ज्यादा आगे जाती है। 11 साल पहले लॉन्च हुआ iPhone 6s में iOS 15.8.5 सुरक्षा अपडेट दिया गया था। अब ऐपल ने iOS 15.8.6 जारी किया है, जो iOS 12.5.8 की तरह ही सर्टिफिकेट सपोर्ट को बढ़ा रहा है।

अजब - गजब

महिला ने मरकर जिंदा होने का किया दावा, पिता से मिली... स्वर्ग को बताया चेतना की अवस्था

मृत्यु के बाद क्या होता है? क्या वाकई स्वर्ग और नर्क जैसी कोई जगहें मौजूद हैं? ये ऐसे सवाल हैं जिनका उत्तर विज्ञान के पास भी नहीं है, लेकिन कुछ लोग ऐसे अनुभव शेयर करते हैं जो हमारी पूरी सोच बदल देते हैं। स्कॉटलैंड की रहने वाली 63 वर्षीय जेन डॉसन ने एक ऐसा ही दावा किया है, जिसने रूहानी दुनिया और मौत के बाद के जीवन को लेकर नई बहस छेड़ दी है। जेन का कहना है कि करीब 24 साल पहले अपने बेटे आर्ची के जन्म के दौरान वह लगभग मर चुकी थीं, लेकिन उस 'परलोक' में उनकी मुलाकात अपने मृत पिता से हुई, जिन्होंने उन्हें वापस धरती पर भेज दिया। जेन के अनुसार, इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि स्वर्ग वास्तव में कोई 'भौतिक जगह' नहीं है, बल्कि यह चेतना की एक अवस्था है।

जेन बताती हैं कि उस समय वह प्रसव पीड़ा से गुजर रही थीं और लेबर कॉम्प्लिकेशंस के कारण पूरी तरह थक चुकी थीं। अचानक उन्हें महसूस हुआ कि उनकी रूह शरीर से बाहर निकल गई है और सारा दर्द पल भर में गायब हो गया। वह एक ऐसी जगह पहुंच गई थीं जो भौतिक और गैर-भौतिक दुनिया के बीच का हिस्सा था। वहां अंधेरा तो था, लेकिन उसमें शांति, सुकून और असीम प्रेम भरा था। तभी उन्हें एक जानी-पहचानी ऊर्जा महसूस हुई। यह उनके पिता थे, जिनका निधन उस समय से ठीक तीन महीने पहले हुआ था। जेन कहती हैं, 'मैंने उन्हें देखा या सुना नहीं, लेकिन मुझे शत-प्रतिशत यकीन था कि वह मेरे पिता ही थे। हमारी आत्माओं का मिलन हुआ और उन्होंने बिना शब्दों के मुझसे संवाद किया.' उनके पिता ने उन्हें बताया कि अभी उनके जाने का समय नहीं आया है और उन्हें अपने बेटे को जन्म देने और पालने के लिए वापस जाना होगा। पिता ने जेन को भविष्य की कुछ झलकियां भी दिखाई और इसके बाद जेन अचानक अपने शरीर में वापस 'जैप' हो गईं, जिसके बाद उन्होंने बिना किसी समस्या के बेटे को जन्म दिया। जेन का दावा है कि उनका बेटा आर्ची असल में उनके पिता का ही पुनर्जन्म है। उनके पिता का निधन तब हुआ था, जब जेन छह महीने की गर्भवती थीं। अपनी मृत्यु से पहले, जब वे कोमा में थे, जेन ने उनके कान में फुसफुसाया था कि उन्हें बेटा होने वाला है और वे हमेशा उस पर नजर रखें।

इस घटना ने जेन की विचारधारा बदल दी। पहले वे किसी भी आध्यात्मिक बात पर यकीन नहीं करती थीं और मानती थीं कि मौत के बाद सब खत्म हो जाता है, लेकिन अब वे मौत को एक भ्रम मानती हैं। जेन का कहना है कि जीवन कभी खत्म नहीं होता, यह एक निरंतर चलने वाला लूप है। उनके अनुसार, जिसे हम स्वर्ग कहते हैं, वह कोई बादलों के ऊपर बसा कोई जगह नहीं है, बल्कि एक गैर-भौतिक ऊर्जा क्षेत्र जब हम मरते हैं, तो हम केवल अपना शरीर त्यागते हैं और ऊर्जा के रूप में बने रहते हैं।

न्यूज विंडो

नर्मदापुरम में राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने फहराया तिरंगा, ली सलामी

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में नर्मदापुरम जिले के मुख्य पुलिस परेड ग्राउंड पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। विशाल जनसमूह की मौजूदगी में आयोजित इस समारोह में मंत्री श्री पटेल ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली इस दौरान उनके साथ जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसपी साईं कृष्णा एस थोटा मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत ध्वज फहराने के साथ हुई, जहां मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। इसके बाद मार्च पास्ट का शानदार प्रदर्शन हुआ। स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों और लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश गान का भावपूर्ण गायन कर सभी का मनोबल बढ़ाया।स्कूली छात्र-छात्राओं ने शारीरिक व्यायाम (पीटी) का आकर्षक प्रदर्शन किया, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने देशभक्ति नृत्य, गीत और नाटक प्रस्तुत कर समारोह को रंगीन बना दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। मंच पर नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरण शर्मा, विधायक विजयपाल सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पीयूष शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आधार अपडेट न होने से राशन बंद ठेले पर कलेक्ट्रेट पहुंची बुजुर्ग

नर्मदापुरम। ग्वालटोली संजय नगर की 70 वर्षीय जानकी बाई पैरों से लाचार हैं और अकेली रहती हैं। चलने में असमर्थ होने से आधार कार्ड अपडेट नहीं कर पा रही थीं। ऑटो से आने-जाने में 200-300 रुपये खर्च होते, जिससे परेशान थीं। पड़ोसियों ने मदद की और ठेले पर बैठाकर कलेक्ट्रेट स्थित आधार केंद्र ले गए। केंद्र पर आधार अपडेट की प्रक्रिया पूरी करवाई गई। इसके बाद महिला को उसी ठेले से घर वापस भेजा गया। जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक संदीप चौरसिया ने बताया कि महिला को आधार में मोबाइल नंबर अपडेट न होने से राशन नहीं मिल पा रहा था। अब प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जल्द ही आधार अपडेट हो जाएगा और राशन सुचारू रूप से मिलने लगेगा

जैतपुर विधायक मरावी एवं नप अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने फहराया तिरंगा

शहडोल। बुढार 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'नगर, परिषद बुढार में शालिनी, सरावगी ने झंडावंदन किया। 26 जनवरी 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर, परिषद बुढ़ार के कार्यालय में एवं कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम बुढार में तिरंगा फहराया। झंडावंदन कर सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं में मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती जी की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की की गई शुरुआत। झंडा वंदन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जैतपुर के लोकप्रिय विधायक जय सिंह मरावी राकेश पाण्डेय कार्यक्रम में हुए शामिल। विधायक व नगर परिषद अध्यक्ष ने समस्त कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने नगर की जनता कों संबोधित करते हुए उन्होंने समस्त देशवासी प्रदेशवासी एवं जिले वासियों को गणतंत्र दिवस बधाई देते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय पर्व की खुशियां चहुओर मनाई जा रही है।

एसपी ने थाना प्रभारी को किया सम्मानित

इटारसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा द्वारा पुलिस विभाग के कर्मठ अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली सूची में इटारसी थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला का नाम प्रमुखता से शामिल रहा। टीआई गौरव सिंह बुंदेला को यह सम्मान जिले में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए दिया गया है। उनके नेतृत्व में इटारसी पुलिस ने हाल के दिनों में कई महत्वपूर्ण सफलताएं अर्जित की हैं, जिनमें प्रमुख हैं, वारंटियों की धरपकड़, अभियान चलाकर रिकॉर्ड 28 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। नशा विरोधी कार्रवाई में अवैध शराब और गांजा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ी खेप जब्त की गई। चोरी का पर्दाफाश में शहर में सक्रिय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर वाहन बरामद किए गए।

धार जिले के गिरवान्या की घटना, पड़ताल जारी

कपास से भरे ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, एक किशोर की मौत, दो घायल

धार। दोपहर मेट्रो

धार जिले के ग्राम गिरवान्या में सड़क हादसे में बाइक सवार नाबालिग बच्चे की मौत हो गई है, हादसे में दो अन्य बच्चे भी घायल हैं। जिसमें से एक गंभीर बालक को बडवानी रैफर किया गया। इधर सूचना मिलने पर रात्रि में ही पुलिस टीम पहुंच गई थी, बुधवार सुबह पीएम के बाद नाबालिग का शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अब पूरे मामले में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार कुक्षी थाना अंतर्गत ग्राम गिरवान्या में सड़क हादसे में 15 साल के लड़के राजेंद्र पिता अमर सिंह जामोद की मौके पर मौत हो गई। हादसा बाइक और ट्रैक्टर की भिड़ंत के कारण हुई, जिसमें दो अन्य बालक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक क्रमांक एमपी- 11 जेड- 0277 पर सवार तीन युवक बगैर नंबर के ट्रैक्टर से टकराए थे। घायलों में कृष्णा रायसिंह जामोद (10) को कुक्षी सिविल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद बड़वानी अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं शिवम (8) पिता लखन का उपचार कुक्षी अस्पताल में जारी है। तीनों ही बालक गिरवान्या गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। तीनों बालक बाइक से पास के गांव में अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। वापस लौटते समय गांव पहुंचने से पहले उनकी बाइक की कपास से भरे एक ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही कुक्षी पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों बाइक सवारों को कुक्षी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कपास से भरे ट्रैक्टर को थाने पर खड़ा करवाया है और मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी राजेश यादव के अनुसार ट्रैक्टर से बाइक टकराई थी, हादसे में एक की मौत हो गई है। साथ ही गभीर घायल को बडवानी भेजा गया है।

पुलिस ने दबिश देकर जब्त किए अफीम के पौधे, प्रकरण दर्ज

धार। तिरला पुलिस ने ग्राम बड़पीपली में एक खेत पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध अफीम के हरे पौधे जब्त किए हैं। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। तिरला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बड़पीपली में दिलावर पिता अब्बास पटेल ने अपने खेत में मटर की फसल के बीच अवैध रूप से अफीम की खेती कर रखी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गठित की गई और बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। जब पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में खेत की तलाशी ली। आरोपी ने मटर, लहसुन और धनिया की फसल की मेड़ों (पाल) के बीच अफीम के पौधे लगा रखे थे ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने मौके से 310 नग हरे पौधे उखाड़कर जब्त किए। जिनका वजन 11 किलो 640 ग्राम है। पुलिस ने 2 लाख 17 हजार की अफीम के पौधों को जप्त किया है।

स्वीप आइकॉन सारिका घारू को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

नर्मदापुरम। मतदाता जागरूकता गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए नर्मदापुरम की स्वीप आइकॉन सारिका घारू को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने कहा कि इससे जिले का गौरव बढ़ा है। सम्मान के बाद सारिका ने सीईओ जैन से शिष्टाचार भेंट कर गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने का संकल्प लिया और संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय रहने की बात कही। सारिका ने कलेक्टर व स्वीप नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन की सराहना की।

पत्रकार श्याम सुंदर जैन का निधन

तेंदूखेड़ा। नगर के वरिष्ठ पत्रकार श्याम सुंदर जैन (54 वर्ष) का मंगलवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। वे निष्पक्ष, निर्भीक पत्रकारिता के लिए विशेष पहचान रखते थे। सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाना उनकी लेखनी की पहचान थी। उनके आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत एवं नगर को अपूरणीय क्षति हुई है। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र एवं एक पुत्री को शोकाकुल अवस्था में छोड़ गए हैं। निधन की सूचना पर नगर के पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

विधायक विजयपाल सिंह ने भोपाल पहुंचकर सीएम का किया स्वागत

कैबिनेट ने दी 227 करोड़ की बागरा शाखा नहर उद्वहन सिंचाई योजना को मंजूरी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कैबिनेट ने सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए बागरा शाखा नहर उद्धवहन सिंचाई योजना को 227 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट बैठक में यह फैसला 16 जनवरी को माखन नगर प्रवास के दौरान विधायक विजयपाल सिंह द्वारा उठाई गई मांग पर लिया गया। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व अंतर्गत सोहागपुर और बाबई ब्लॉक के विस्थापित गांवों को सिंचाई सुविधा देने के उद्देश्य से बागरा शाखा नहर की आरडी 15360 मीटर से जल उद्धरण कर लगभग 6000 हेक्टेयर क्षेत्र में यह योजना लागू होगी। इससे करीब 50 विस्थापित ग्रामों और 30 राजस्व ग्रामों को स्थायी सिंचाई लाभ मिलेगा। इस निर्णय के बाद सोहागपुर विधानसभा से 300-350 कार्यकर्ता और लाभान्वित किसान विधायक विजयपाल सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। उन्होंने साफा बांधकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भव्य स्वागत किया और जनहितकारी फैसले के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह, सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

बजरंग दल ने कबड्डी में दिखाया दम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बजरंग दल के तत्वाधान में मंगलवार को स्थानीय जय स्तंभ चौक स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। शुभारंभ भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। खेल में जिले के अंतर्गत आने वाले प्रखंड लटेरी, कुरवाई, सिरोंज, बासौदा 1 और बासौदा 2 तथा गमाकर की टीम ने कबड्डी में भाग लिया, जिसका फाइनल मुकाबला बासौदा 1 और सिरोंज के बीच हुआ अंत में बासौदा 1 विजय हुई। विजेता और उपविजेता टीम को पुरूस्कार दिये गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एमसी शर्मा ने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है शरीर में स्फूर्ति आती है खेल भावना से परस्पर प्रेम भी बढ़ता है इसलिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए। इस दौरान विहिप प्रांत गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल, विभाग सह मंत्री चंद्रभान सिंह बघेल, विभाग सत्संग प्रमुख सुरेन्द्र राजपूत,विभाग विशेष संपर्क प्रमुख नितिन सक्सेना, जिलाध्यक्ष मुकेश सेन, पार्षद नारायण सोनी, सत्यम दुवे, जगदीश शाक्य, अन्नू यादव और भजन प्रजापति, सौमित्र तिवारी, खेल शिक्षक विजय शर्मा, नगर मंत्री संजय सिलावट सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर शहर सहित ग्रामीण अंचलों में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम आयोजित हुए। वहीं गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन तहसील स्थित लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित किया गया, जहां पर जनप्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया एवं परेड की सलामी ली। इस अवसर पर गुब्बारों को छोड़कर शांति का संदेश दिया। वहीं स्कूलों से आए नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा देशभक्ति और राष्ट्रीय गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांस्कृतिक प्रस्तुति के बाद पुरस्कार वितरण किए गए। जिसमें विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नपाध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ,एसडीओपी, शहर थाना प्रभारी, देहात थाना प्रभारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं गणमान्य नागरिक एवं तहसील स्तरीय सभी अधिकारी कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को मंच से अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं गणतंत्र दिवस के अवसर पर कादरी साहब वाली गली जवाहर रोड स्थित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ कार्यालय पर राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने ध्वजारोहण किया।

धनपुरी में सूफी संतों की याद में किया लंगर

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

सूफी संत हजरत सैय्यद मखदूम साबिर पाक रहमतुल्लाह अलैहे (कलियर शरीफ) एवं बाबा ताजुद्दीन औलिया रहमतुल्लाह अलैहे रिज़वान (नागपुर) की पावन स्मृति में रविवार को धनपुरी नगर स्थित जानू कॉम्प्लेक्स के सामने लंगर का आयोजन किया गया। लंगर में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सर्वधर्म समभाव, गंगा-जमुनी तहज़ीब और मानवता की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका परिषद धनपुरी के उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद खंडेलवाल ने कहा कि सूफी संतों की शिक्षाएं प्रेम, त्याग और इंसानियत का मार्ग दिखाती हैं। आज इस लंगर में सभी धर्मों और समुदायों के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यही हमारे नगर की असली खूबसूरती है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पार्षद आनंद मोहन जायसवाल ने कहा कि भारत की विविधता में एकता की नींव सूफ़ी संतों और ऋषि-मुनियों ने रखी। मंडलम कांग्रेस अध्यक्ष धनपुरी मोहम्मद साबिर ने कहा कि बाबा ताजुद्दीन औलिया का आशीर्वाद सदैव समाज को जोड़ने का कार्य करता रहा है। आज के इस विशाल लंगर में हजारों लोगों की उपस्थिति युवाओं की मेहनत और लगन का परिणाम है। सभी धर्मों के लोगों ने एकजुट होकर प्रसाद ग्रहण किया, यही सूफ़ी संतों की परंपरा का सच्चा संदेश है। कांग्रेस नेता राजीव शर्मा ने कहा कि सूफ़ी संतों का संदेश भारत की आत्मा को मजबूत करता है। कार्यक्रम में हाफिज इसरार, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद सहनवाज अंसारी, अतीक खान (बाबा) पत्रकार, मोहसिन खान, वसीम काजी, मुन्ना भाई खानसामा, नईम खानसामा, आरिफ बिरयानी, पारस, बादशाह, इमरान खान सोनू, कामरान खान मोनू, कैश जाहूर आलम, मोहम्मद कलाम, जावेद खान, आशिर अहमद, अब्दुल करीम गुड्डू, मोहम्मद रहीम सन्नी, असलम बेग, आमिर, सद्दाम, हाजी अमन अली सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, युवा व नागरिक उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर वीर सावरकर कॉलेज में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

पुराने दोस्तों से मिलकर खट्टी-मीठी यादें की ताजा

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

समय का पहिया घूमा और एक बार फिर वीर सावरकर शासकीय महाविद्यालय का परिसर उन पुरानी यादों से चहक उठा, जो सालों पहले यहां की गलियों में छोड़ दी गई थीं। अवसर था पीएम उषा योजना और क्रिस्प संस्था के सौजन्य से आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन का।

जैसे ही 76 पूर्व छात्र-छात्राओं ने कॉलेज की सीमा में कदम रखा, पुरानी दोस्ती और कॉलेज के दिनों की यादें आँखों में तैर गईं। प्राचार्य डॉ. एम.एस. गढ़वाल के स्वागत शब्दों और डॉ. आरती बोरासी द्वारा दी गई योजना की जानकारी के बीच, सबसे भावुक क्षण वह था जब पूर्व छात्रों ने मंच से अपनी खट्टी-मीठी स्मृतियां साझा कीं। किसी ने अपने शरारती दिनों को याद किया तो कोई शिक्षकों के मार्गदर्शन को बताते हुए भावुक हो उठा। विशिष्ट अतिथि रविंद्र विजयवर्गीय, अनिल अरोरा,राम किशोर नंदवंशी, डॉ. भूपेंद्र नागर एवं त्रिलोचन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और खास बना दिया। डॉ. श्वेता श्रीवास्तव के संचालन और डॉ. अंजली अग्रवाल द्वारा परिचय सत्र के दौरान ऐसा लगा मानो समय ठहर गया हो। खेल अधिकारी डॉ. सुमित सिंह ने पूर्व छात्रों से कॉलेज के साथ सदैव जुड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रविंद्र योद्धा, डॉ. बीनू मेहरोत्रा, डॉ. अनस मुस्तफा और विवेक मालवीय का विशेष योगदान रहा। अंत में डॉ. पूजा सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए इस वादे के साथ विदा किया कि यह रिश्तों का सिलसिला यूँ ही जारी रहेगा।

आदर्श योजना विभाग
संस्कृत संवर्धन की योजना
अन्तर्गत
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विज्ञापन संख्या: 01/2026 **दिनांक : 28.01.2026**

भर्ती की अधिसूचना 01/2026

संस्कृत संवर्धन के लिए भारत सरकार की केंद्रीय योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली (CSU) कार्यरत है। केंद्रीय योजनाओं में से एक, अर्थात ''आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs)/ आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता की योजना (संशोधित आदर्श योजना-2022)'' के अंतर्गत, देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता के लिए ASM/ASSS के रूप में मान्यता दी गई है। इस संदर्भ में, इस योजना में निहित प्रावधानों के अंतर्गत, देश के विभिन्न भागों में स्थित मान्यता प्राप्त ASMs/ASSSs में निम्नलिखित गैर शैक्षणिक /अन्य शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-

पदों का नाम एवं स्तर (7वें वेतन आयोग के अनुसार)	पदों की संख्या	आरक्षण, पात्रता, योग्यता एवं अन्य आवश्यक शर्तें
कॉलेज लाइब्रेरीयन (शैक्षणिक स्तर 10)	04	पात्रता मानदंड, योग्यता, आयु सीमा, क्षेत्रवार भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का संस्थावार विभाजन, आरक्षण तथा अन्य आवश्यक शर्तों एवं आवेदन प्रक्रिया इत्यादि का विवरण विस्तृत अधिसूचना में उपलब्ध है। यह अधिसूचना सीएसयू (CSU) की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर Recruitment/Notification (भर्ती/अधिसूचना) शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है साथ ही संबंधित संस्था की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है।
अनुभाग अधिकारी (स्तर 7)	01	
सहायक (स्तर 6)	15	
प्रोफेशनल असिस्टेंट (स्तर 6)	01	
यूडीसी (स्तर 4)	02	
एलडीसी (स्तर 2)	20	

आवेदन की प्रारंभिक तिथि 28.01.2026 है तथा विज्ञापन की अंतिम तिथि 27.02.2026 को रात 11.30 बजे (IST) तक है।

यह विज्ञापन उन 19 अनुदान प्राप्त आदर्श संस्थानों की ओर से केवल एक संक्षिप्त अधिसूचना है, जो संबंधित चयनित उम्मीदवारों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी हैं। अतः इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी आवश्यक जानकारी के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें।

हस्ता./-
कुलसचिव (प्र.)

CBC - 21212/12/0004/2526

सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
आशुतोष गुप्ता
पुलिस अधीक्षक रायसेन
कमलेश खरपूसे
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
शीला सुराणा
SDOP औ.गंज
भरतप्रताप सिंह
थाना प्रभारी, औबेदुल्लागंज
रंजीत सराठे
थाना प्रभारी, मंडीदीप
विजय त्रिपाठी
थाना प्रभारी, सतलापुर
तेज पाल सिंह
थाना प्रभारी, नूरगंज
सौजन्य से : मीडिया हॉउस, मंडीदीप

सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
होटल अमित पैलेस
New Hotel AMIT PALACE

RNG
RNG CONSTRUCTION CO.
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
NH-12, Plot No.14 Near Jain Mandir Mandideep Dist. Raisen (M.P.)
Ph.: 07480-470582, M. +91 9329455682, 9826905282

अमर बाबा
(भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष मण्डीदीप)
मो. 9826459374
9907435273
माँ भवानी ट्रेडर्स
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
एम.पी. एग्रो चौराहे के पास, मंडीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.)

BETHANY
CONVENT SCHOOL
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
MADHUVAN COLONY, GAJJU PIPALIYA ROAD,
MANDIDEEP DIST. RAISEN (M.P.)

सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
CASTLE GLOBAL
Public School (CGPS)
Knowledge is our motto
Salient Features
of Pre Primary
ADMISSION
OPEN
Mandideep Contact - 7858987483, 8602472822

शीतल समूह
Estate
सोनिक बायोकेम के समीप, स्टेशन रोड, मंडीदीप
T & C P APPROVED
मनोज प्रधान, मंडीदीप

Aditya Jain
(M.D.)
26 JANUARY
ADITYA ENTERPRISES
MANDIDEEP
Plot No. 18-B, Sector-D, Industrial Area, Mandideep (M.P.)
Mob. 9826090925, 6232990925

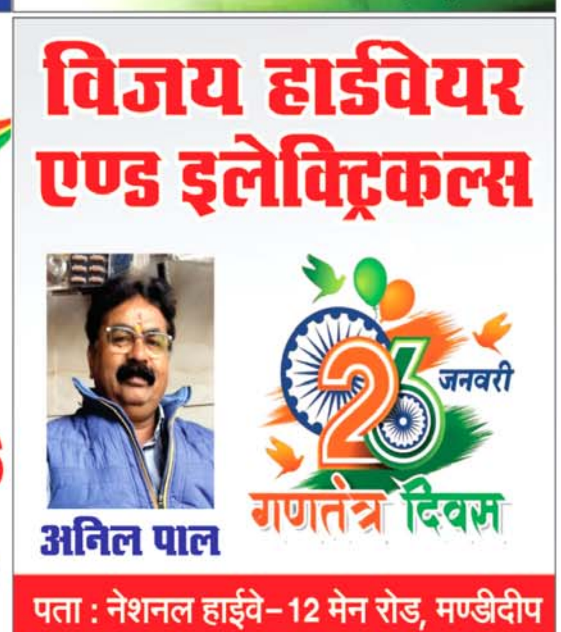
विजय हार्डवेयर
एण्ड इलेक्ट्रिकल्स
अनिल पाल
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
पता : नेशनल हाईवे-12 मेन रोड, मण्डीदीप

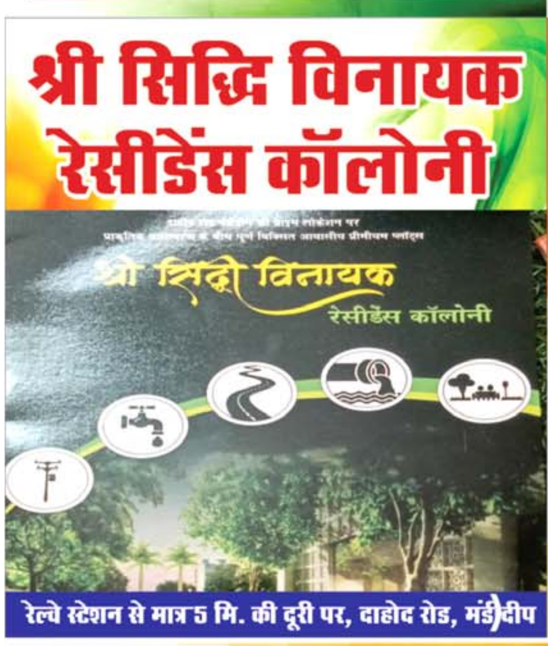
श्री सिद्धि विनायक
रेसीडेंस कॉलोनी
श्री सिद्धी विनायक
रेसीडेंस कॉलोनी
रेल्वे स्टेशन से मात्र 5 मि. की दूरी पर, दाहोद रोड, मंडीदीप

होटल
मुस्कान
पैलेस
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
मो. 9669221383, 8839423856
वार्ड नं. 11, प्लॉट नं.226 बी, इंद्रा नगर
मंगल बाजार, मंडीदीप-462046 जिला-रायसेन

सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
M.: 9770222207
7879548459
DEEPESH
Gift & Toys, Cosmetics,
Jewelry, Sports
All Cosmetic & Jewelry
Belt, Pars, Chasma, Cycle, Walker, Jhule
Decoration, Barth-Day Items
Main Market, Durga Chowk,
Mandideep (M.P.)

प्रो. सोनू चौहान
मो. 8889998584
श्री चौहान
मेडिकल स्टोर्स
सभी नगरवासियों को
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
बी-27, इन्द्रा नगर, मंडीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.)

26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
साँई हॉस्पिटल
: उपलब्ध सुविधाएँ :
बी-46, इन्द्रा नगर, मंगल बाजार, मण्डीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.) | मो. 9425012944, 9425022837, फोन नं. 07480-401433

मृत्युजंय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
आपके संपूर्ण परिवार के सदस्य जीवन हेतु समर्पित
सर्व सुविधा युक्त हॉस्पिटल
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
इमरजेंसी, जनरल मेडिसीन, सर्जरी एवं ओर्थोपेडिक
प्लॉट नं.2, सेठ फूलचंद नगर, मंडीदीप - 9893446010

AROGYA HOSPITAL
आरोग्य हॉस्पिटल
उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ
निःशुल्क इलाज
• कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (ESI)
• आयुष्मान योजना
• हेल्थ इंस्युरेन्स
• मेडिक्लेम
विशेषज्ञ
• आकस्मिक एवं गंभीर चिकित्सा विशेषज्ञ
• रेडियोलॉजी विशेषज्ञ
• अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
• महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
• बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
• जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ
• मूत्र रोग (यूरोलॉजी) विशेषज्ञ
• नाक कान गला रोग (ई.एन.टी) विशेषज्ञ
• जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
पता : सारगो टॉवर, बजरंग वेयर हाउस के पीछे, दीप नगर
वार्ड नं. 01, मण्डीदीप
संपर्क - 9111000282
07480-490978

HEG
HAPPY
REPUBLIC DAY
OF INDIA
PROUD TO BE INDIAN
PRIVILEGED TO BE GLOBAL

भारत-न्यूजीलैंड चौथा टी-20 आज: मेजबान ने विशाखापट्टनम में 4 में से 3 मुकाबले जीते

अर्शदीप की वापसी, बुमराह को मिल सकता है आराम, 3.0 से पीछे चल रहा न्यूजीलैंड

एजेंसी, विशाखापट्टनम

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी-20 मुकाबला आज विशाखापट्टनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ACA-VDCA स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच की शुरुआत शाम 7 बजे से होगी, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे किया जाएगा। इससे पहले खेले गए तीसरे टी-20 में भारत ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली है। न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल 3-0 से पीछे चल रही है। वाइजैग में भारत का रिकॉर्ड भी मजबूत रहा है। यहां खेले गए चार टी-20 मुकाबलों में से टीम इंडिया ने तीन में जीत दर्ज की है, जबकि एकमात्र हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आई थी। जसप्रीत बुमराह को इस मैच में आराम दिया जा सकता है। उनके वर्कलोड और टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को देखते हुए बुमराह की जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिलने की संभावना है। अर्शदीप को तीसरे मैच में रेस्ट दिया गया था। न्यूजीलैंड और भारत के बीच अब तक कुल 28 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 15 मैचों में जीत दर्ज की है। जबकि न्यूजीलैंड को 10 मुकाबलों में सफलता मिली है।

सूर्यकुमार यादव सीरीज के टॉप स्कोरर

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दूसरे टी-20 में 82 और तीसरे में नाबाद 57 रन बनाए थे। फिलहाल वे सीरीज और टीम दोनों के टॉप स्कोरर हैं। उनके अलावा अभिषेक शर्मा 2 और ईशान किशन 1 फिफ्टी लगा चुके हैं। गेंदबाजी में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं। न्यूजीलैंड के लिए ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 145 रन बनाए हैं, उन्होंने पहले टी-20 में 78 और तीसरे में 48 रन बनाए थे। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जैकब डफी 3 विकेट ले चुके हैं।

हाई स्कोरिंग है पिच

विशाखापट्टनम स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। यहां अच्छी बाउंस और रफ्तार मिलती है, जिससे गेंद सीधे बल्ले पर आती है और बड़े स्कोर बनते हैं। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, स्पिन गेंदबाजों को भी मदद मिलने लगती है। वहीं, ओस पड़ने की वजह से टारगेट का पीछा करना आसान हो जाता है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत: अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह/अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे/फिन ऐलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, मार्क चापमन/जिमी नीशम , मिचेल सैंटनर (कप्तान), काइल जैमिसन, जैकब डफी, ईश सोढी और मैट हैनरी।

आईसीसी ना कर दे पाकिस्तान के साथ खेला

टी20 वर्ल्ड कप का किया बायकॉट तो बांग्लादेश की खुल सकती है किस्मत

एजेंसी, नई दिल्ली

बांग्लादेश के आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने धमकी दी कि वो इस टूर्नामेंट का बहिष्कार करने पर विचार करेगा। पीसीबी ने अंतिम फैसला नहीं लिया है, ऐसे में पाकिस्तानी टीम के टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेने पर फिलहाल सस्पेंस है। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी के मुताबिक टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला इस शुक्रवार या फिर आगामी सोमवार को ले लिया जाएगा। नकवी ने इस मुद्दे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की है।

हालांकि, पाकिस्तान के पूरे टूर्नामेंट से हटने की संभावना कम मानी जा रही है। वैसे अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद उस पर एक्शन लेगी। साथ ही पाकिस्तान के बाहर होने पर बांग्लादेशी टीम की किस्मत बदल सकती है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बांग्लादेश को वापस बुलाने पर विचार कर सकती है, ताकि वह पाकिस्तान की जगह ग्रुप में शामिल होकर अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले। यह वही व्यवस्था होगी, जिसकी मांग पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने की थी और इससे लॉजिस्टिक लेवल पर भी ज्यादा दिक्कतें नहीं होंगी। अधिकारी के मुताबिक, इस तरह आईसीसी पर यह आरोप नहीं लगेगा कि उसने बांग्लादेश की सुरक्षा संबंधी मांगों के आगे झुककर फैसला लिया। बल्कि इसे पाकिस्तान के हटने के बाद बदले हालात का नतीजा माना जाएगा। गौरतलब है कि 24 जनवरी को आईसीसी ने बांग्लादेश की छुट्टी कर उसकी जगह ग्रुप-सी में स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में अपने मैच खेलने से इनकार कर दिया था, इसके बाद ही आईसीसी ने ये निर्णय लिया।

मोहसिन नकवी ने अपने पोस्ट में लिखा?

उधर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात के बाद मोहसिन नकवी ने ङ्क पर लिखा, प्रधानमंत्री के साथ एक सार्थक बैठक हुई। मैंने उन्हें आईसीसी से जुड़े मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी विकल्प खुले रखते हुए इसका समाधान निकाला जाए। यह तय हुआ कि भागीदारी पर अंतिम फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार को होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पास फिलहाल ऐसा कोई मजबूत आधार नहीं है, जिसके दम पर उसकी टीम आगामी टूर्नामेंट से हट सके। पीसीबी ने बांग्लादेश की इस मांग का समर्थन किया था कि उसके मैच भारत से बाहर कराए जाएं, लेकिन आईसीसी बोर्ड में यह प्रस्ताव खारिज हो गया।

अदाणी डिफेंस और एम्ब्रेयर के बीच हुई ऐतिहासिक साझेदारी

नई दिल्ली। भारत के स्वदेशी विमान निर्माण को बड़ा बढ़ावा देने के लिए अदाणी ग्रुप और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत भारत में क्षेत्रीय विमानों के लिए निर्माण सुविधा और फाइनल असेंबली लाइन (स्न्नरु) स्थापित की जाएगी। दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने मंगलवार को नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय परिवहन विमानों को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण सुविधा स्थापित की जाएगी। एम्ब्रेयर 150 सीटों तक क्षमता वाले वाणिज्यिक विमान बनाती है। हालांकि, प्रस्तावित निवेश और संयंत्र के स्थान से जुड़ी जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

यह सहयोग केवल विमान असेंबली तक सीमित नहीं

नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमान असेंबली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें तकनीक हस्तांतरण, कौशल विकास, मजबूत सप्लाई चेन और भारत को क्षेत्रीय विमानों का भरोसेमंद निर्माण केंद्र बनाने की योजना भी शामिल है। इस साझेदारी के साथ अदाणी ग्रुप, जो पहले से भारतीय विमानन क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति रखता है, अब भारत में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश करेगा।

भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर वृद्धि के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में स्थिर गति से बढ़ती रहेगी। वर्ष 2026 में देश की जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत और 2027 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहेगा। मंगलवार को जारी डीबीएस बैंक की रिपोर्ट में यह बात कही गई। डीबीएस बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई (सीपीआई) के 2025 में 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 3.5 प्रतिशत और 2027 में 4.5 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। इसका मतलब है कि कीमतें धीरे-धीरे सामान्य स्तर पर लौट सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 2026 और 2027 के दौरान नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। इससे यह संकेत मिलता है कि देश की मौद्रिक नीति स्थिर बनी रहेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक ब्याज दरों में अस्थिरता के बावजूद, भारत के 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड में धीरे-धीरे कमी आ सकती है। यह 2026 की शुरुआत में 6.60 प्रतिशत से घटकर 2027 के अंत तक 6.40 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सोनमर्ग में.... बर्फीला तूफान

कई होटलों को नुकसान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित सोनमर्ग के सरबल क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक जबरदस्त हिमस्खलन (एवलांच) आया। इस भीषण बर्फीले तूफान ने इलाके के कई घरों को चपेट में ले लिया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि पहाड़ों से तेजी से बर्फ की विशाल लहर नीचे की ओर आई और आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी व्यक्ति के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन वीडियो देखकर यह उम्मीद लगाई जा सकती है कि इससे काफी नुकसान होने की संभावना है।

अमेरिका में तूफान से त्राहिमाम

» ओलावृष्टि और बर्फबारी ने बरपाया कहर

वाशिंगटन। अमेरिका में कुदरत ने है। देश के ज्यादातर हिस्सों में तूफान के साथ ओले गिरे। जमा देने वाली बारिश और बर्फबारी हुई, जिससे तापमान शून्य से नीचे चला गया। टेक्सास से न्यू इंग्लैंड तक बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। न्यूयॉर्क में कनाडा की सीमा के पास के इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ ठंड पड़ रही है। वाटरटाउन में तापमान माइनस 37 डिग्री सेल्सियस और कोपेनहेगन में माइनस 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम की मार के चलते हवाई और सड़क यातायात ठप हो गया। बर्फ के बोझ से पेड़ों की डालियां टूट गईं। बिजली लाइनें ध्वस्त हो गईं। दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में लाखों घरों की बिजली गुल गई है।

न्यूज विंडो

6 साल की मासूम बच्ची से गैंगरेप 3 नाबालिग लड़कों पर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के भजनपुरा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 6 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ है। गैंगरेप का आरोप 3 नाबालिग लड़कों पर लगा है, उनकी उम्र 10, 13 और 14 साल है। पुलिस का कहना है कि 2 आरोपी लड़कों को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं तीसरा आरोपी फरार चल रहा है। तीसरे आरोपी का परिवार भी लापता है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना 18 जनवरी की है। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि 3 लड़कों ने बच्ची को बहला फुसलाकर कथित तौर पर रेप किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान हो गई है और 2 आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। एक आरोपी फरार है। दो आरोपियों को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश भी किया गया है।पुलिस ने बताया कि बच्ची को डॉक्टरी जांच के लिए ले जाया गया था, जहां उसकी जरूरी देखभाल की जा रही है और उचित परामर्श दिया जा रहा है। बच्ची का बयान दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में विधिक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और तीसरे आरोपी को तलाश किया जा रहा है।तीसरे आरोपी को ढूंढने के लिए टीम गठित की गई है।

ट्रंप का बड़ा बयान- फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत

आयोवा। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था।

मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं। आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की।अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है।

बंदूक दुकान में धमाका, दुकानदार यूसुफ अली की इंदौर में मौत

रतलाम। शहर के चांदनी चौक क्षेत्र स्थित एक बंदूक दुकान में हुए धमाके के मामले में घायल दुकानदार की मौत हो गई। 58 वर्षीय यूसुफ अली ने इलाज के दौरान मंगलवार देर रात दम तोड़ दिया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रतलाम से इंदौर रेफर किया गया था। मालूम हो कि 26 जनवरी की शाम करीब 4 बजे चांदनी चौक स्थित बंदूक की दुकान में अचानक तेज धमाका हो गया था।धमाके होते ही दुकान में मौजूद लोग अपनी जान बचाकर बाहर की ओर भागे। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झुलसे हुए लोग जलती हालत में सड़क पर दौड़ते नजर आए। आसपास की दुकानों में बैठे लोग भी घबराकर बाहर निकल आए। सामने सड़क पर खड़े मैजिक वाहन से सवारियां उतरकर भागती दिखींइस हादसे में दुकानदार यूसुफ अली, 32 वर्षीय नाजिम, 35 वर्षीय शेख रफीकुद्दीन तथा ग्राहक तितरी निवासी 35 वर्षीय संदीप पाटीदार घायल हुए थे। यूसुफ अली की मौत हो चुकी है, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज इंदौर में जारी है।हादसे के बाद प्रशासन की टीम ने सुरक्षा की दृष्टि से दुकान को सील कर दिया था। आज दुकान की सील खोलकर फोरेंसिक टीम द्वारा विस्तृत जांच की जाएगी। पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञ संयुक्त रूप से यह पता लगाएंगे कि दुकान में धमाका किन कारणों से हुआ।

अजित पवार से पहले भी कई नेताओं की हवाई दुर्घटनाओं में गई असमय जान

भारतीय राजनीति के कई नामी चेहरे जिनकी विमान हादसों में थम गई जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय राजनीति में सड़क और मंच जितने खतरनाक रहे हैं, उतना ही जोखिम कई बार आसमान में भी नेताओं का इंतजार करता रहा है। चुनावी दौरे, आपात यात्राएं और समय की कमी - इन सबके बीच हवाई सफर नेताओं की मजबूरी बनता गया। लेकिन कुछ यात्राएं ऐसी रहीं, जहां मंजिल तक पहुंचने से पहले ही जिंदगी रुक गई। विमान और हेलीकॉप्टर हादसों में जान गंवाने वाले नेताओं की ये कहानियां सिर्फ दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि सत्ता, ज़िम्मेदारी और जोखिम के खतरनाक संगम की याद दिलाती हैं।

विजय रुपाणी: उड़ान भरते ही हुआ हादसा: गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजय रुपाणी 12 जून 2025 को अहमदाबाद से एयर इंडिया के विमान पर सवार होकर अपने परिवार से मिलने लंदन जा रहे थे, लेकिन उनका विमान उड़ान भरते ही क्रैश हो गया। हादसे में विमान सवार दो सौ से ज्यादा लोगों की मौतें हुई थीं।

दोरजी खांडू:अचानक लापता हुआ : विमानअरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू का निधन साल 2011 में एक विमान हादसे में हुआ था। उस समय उनकी उम्र 56 वर्ष थी। वे तवांग से राजधानी ईटानगर की ओर यात्रा कर रहे थे, तभी उनका विमान अचानक लापता हो गया। बाद में पता चला कि हादसे में उनकी जान चली गई। उन्होंने वर्ष 2007 से लेकर अप्रैल 2011 तक अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

वाई.एस. राजशेखर रेड्डी: जंगल, कोहरा और टूटा हेलीकॉप्टर: 2 सितंबर 2009 को आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी नियमित दौरे पर निकले थे। उनका बेल-430 हेलीकॉप्टर खराब मौसम से जूझता हुआ नल्लामाला के घने जंगलों के ऊपर उड़ रहा था। अचानक संपर्क टूटा और बाद में मलबा पहाड़ियों के बीच मिला। यह हादसा सिर्फ एक मुख्यमंत्री की मृत्यु नहीं था, बल्कि राज्य की राजनीति में एक युग के अंत जैसा साबित हुआ।

जीएमसी बालयोगी: सत्ता के शिखर से हादसे की खाई तक: लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी का नाम भारतीय संसदीय इतिहास में सम्मान से लिया जाता है। 3 मार्च 2002 को आंध्र प्रदेश में उनका हेलीकॉप्टर एक नियमित यात्रा पर था। भीमावरम से उड़ान भरने के बाद तकनीकी कारणों और परिस्थितियों के चलते चॉपर कृष्णा जिले के कैकलूर क्षेत्र में नियंत्रण खो बैठा और एक तालाब में जा गिरा। यह हादसा सिर्फ एक जान का नुकसान नहीं था, बल्कि संसद की गरिमा से जुड़ी एक बड़ी क्षति भी थी।

माधवराव सिंधिया:खराब मौसम और टूटा सपना: 30 सितंबर 2001 की सुबह कांग्रेस के दिग्गज नेता माधवराव सिंधिया एक राजनीतिक कार्यक्रम के लिए उड़ान पर थे। खुद नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके सिंधिया जिस निजी छोटे विमान में सवार थे, वह उत्तर प्रदेश के मैनपुरी क्षेत्र के पास मौसम की मार का शिकार हो गया। घने बादल और सीमित दृश्यता ने उड़ान को जानलेवा बना दिया। विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ और देश ने एक ऐसा नेता खो दिया, जो आधुनिक सोच और राजघराने की विरासत - दोनों का प्रतिनिधि था।

संजय गांधी: जुनून जो जान ले बैठा: 23 जून 1980 का दिन भारतीय राजनीति के सबसे चौंकाने वाले हादसों में दर्ज है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी को उड़ान का शौक था। दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट के पास, एक हल्के विमान में हवाई करतब दिखाते समय संतुलन बिगड़ा। कुछ ही पलों में विमान जमीन से टकरा गया। युवा, प्रभावशाली और विवादों से घिरे संजय गांधी की मौत ने देश को हिला दिया और सत्ता के गलियारों में गहरा सन्नाटा भर दिया।

जनरल रावत का हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुआ था निधन

भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की 8 दिसंबर, 2021 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यह घटना तमिलनाडु के कुन्नूर के पास हुई, जब वह अपनी पत्नी और 11 अन्य लोगों के साथ सुलूर से वेलिंगटन जा रहे थे।

बिहार में हड़कंप

सिवान, बेगूसराय समेत कई सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना/बेगूसराय/सिवान। बिहार में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सिवान, बेगूसराय, भागलपुर और मुजफ्फरपुर सहित कई जिलों के सिविल कोर्ट (व्यवहार न्यायालय) को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मिलते ही न्यायालय परिसरों में हड़कंप मच गया और सुरक्षा के मद्देनज़र तत्काल अदालतों को खाली कराया गया।

बेगूसराय व्यवहार न्यायालय को मिली धमकी की पुष्टि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत ने की है। उन्होंने बताया कि न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पर बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। इसके बाद जिला जज के आदेश पर सभी न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायिक कर्मियों और अधिवक्ताओं को सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई।धमकी के बाद जिला जज के निर्देश पर पुलिस प्रशासन को तत्काल सूचना दी गई। न्यायालय परिसर से आम जनता को बाहर निकाल दिया गया और किसी को भी कोर्ट परिसर के अंदर आने-जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान

» पीटीआई बोली- इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है।

पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में 'सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन' की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर दोनों बड़े खतरे में हैं।बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है।

22 लोगों को ले जा रही नाव ब्रह्मपुत्र नदी में भंवर की चपेट में आकर डूबी, 6 लोग अब भी लापता

बारपेटा,एजेंसी

असम के बारपेटा जिले से नाव हादसे की एक दिल को दहला देने वाली खबर सामने आई है। 22 लोगों को ले जा रही एक नाव ब्रह्मपुत्र नदी में डूब गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में 4 बच्चों समेत 6 लोगों के लापता होने की बात सामने आई है। ये नाव मशीन संचालित थी और यात्रा के दौरान ब्रह्मपुत्र नदी में कथित तौर पर भंवर की चपेट में आकर डूब गई। आइए जानते हैं पूरा मामला।बारपेटा में ब्रह्मपुत्र नदी में हुए हादसे को लेकर अधिकारियों ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस, SDRF और नागरिक प्रशासन ने स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। दी गई

जानकारी के अनुसार, ये हादसा उस वक्त हुआ जब नाव 22 लोगों को लेकर रहमपुर से बोरघुल चर (नदी के वनस्पति द्वीप) जा रही थी। आपको बता दें कि असम में चर इलाका नदियों, खासकर की ब्रह्मपुत्र में कटाव और जमाव के कारण बनने वाले अस्थाई रेतीले द्वीपों को कहा जाता है।अधिकारी ने जानकारी दी है कि 'जब नाव चल रही थी, तभी वह कथित तौर पर एक भंवर की चपेट में आ गई और डूब गई। अधिकांश लोगों को पास की एक नाव द्वारा बचा लिया गया।' चौधरी ने बताया कि छह लोग अब भी लापता हैं, जिनमें से चार बच्चे हैं। उन्होंने कहा, 'स्थानीय लोगों ने हमें बताया कि नाव बिना किसी सुरक्षा उपाय के चल रही थी। किसी भी यात्री ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी।'

मेट्रो एंकर पीठ ने पूर्व में सुनाया था फैसला-सामाजिक और आर्थिक पिछड़ापन जरूरी नहीं कि राजनीतिक पिछड़ेपन के समान हो

ब्राह्मण 'राजनीतिक रूप से पिछड़े'...अब सुप्रीम कोर्ट करेगा जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्राह्मणों को सामाजिक और शैक्षिक रूप से सबसे उन्नत माना जाता है, लेकिन लोकतंत्र के जमीनी स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों में उनकी उपस्थिति न के बराबर है। ऐसे में ब्राह्मणों को राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्ग माना जा सकता है और पंचायतों में निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आरक्षण का हकदार माना जा सकता है? एक याचिका की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट इसकी जांच करेगा।

गैर सरकारी संगठन 'यूथ फॉर इक्वालिटी फाउंडेशन' द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन के माध्यम से दायर याचिका में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया गया कि के कृष्ण मूर्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया था- 'सामाजिक और आर्थिक पिछड़ापन जरूरी नहीं कि राजनीतिक पिछड़ेपन के समान हो।'

सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे की जांच करने को तैयार है, लेकिन प्रथम दृष्टया हमें लगता है कि पीबीसी (पब्लिक-बैक्ड) वर्ग के लोग सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से ही होने चाहिए। यदि एसईबीसी समुदायों में प्रतिनिधित्व कम है... तो उन्हें पीबीसी के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, लेकिन इसका उल्टा सच नहीं है।

स्थानीय स्वशासन में आरक्षण पर नए सिरे से सोचने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने तब कहा था–यह कहना उचित होगा कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जिन समूहों को आरक्षण का लाभ मिला है, उन सभी को स्थानीय स्वशासन के क्षेत्र में आरक्षण की आवश्यकता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राजनीतिक भागीदारी में आने वाली बाधाएं शिक्षा और रोजगार तक पहुंच को सीमित करने वाली बाधाओं के समान नहीं हैं। इसलिए स्थानीय स्वशासन में आरक्षण के संबंध में नए सिरे से सोचने और नीति निर्माण की आवश्यकता है। शंकरनारायणन ने कहा कि 15 साल बीत जाने के बावजूद किसी भी राज्य ने सार्वजनिक पिछड़ा वर्ग समुदायों की पहचान करके निर्वाचन क्षेत्रों को आरक्षित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है और केवल एसईबीसी समुदायों को ही आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र प्रदान किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इस मुद्दे का परीक्षण करने पर सहमति जताई और महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564